CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 144 ता. 01 दिसम्बर 2021, बुधवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त खबरें

मायावती ने खोजी जयंत- अखिलेश गठजोड़ की काट?

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने ढंग से वेस्ट यूपी में अखिलेश यादव-जयंत चौधरी गठजोड़ की काट खोज ली है। आज उन्होंने अतिपिछड़ा वर्ग, मुस्लिम समाज और जाट समुदाय के पार्टी के नेताओं की बड़ी बैठक लखनऊ में बुलाई है। इस बैठक में उन्होंने नेताओं को अपने-अपने समाज के लिए रिजर्व सीटों पर पार्टी का आधार मजबूत करने का जिम्मा सौंपा। इस मौके पर आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में बसपा सुप्रीमो ने एक बार फिर यूपी की सभी 403 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया और भरोसा जताया कि प्रदेश में 2007 की तरह एक बार फिर पूर्ण बहुमत की बसपा सरकार बनेगी। सुश्री मायावती ने बताया कि इसके पहले उन्होंने अतिपिछड़ा वर्ग, मुस्लिम समाज और जाट समुदाय के पार्टी पदाधिकारियों को सामान्य सीटों पर अपने समाज के लोगों को पार्टी से जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी थी जिसकी समीक्षा वह पिछले महीने कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इन वर्गों के लोग बड़ी संख्या में बसपा से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के दलितों, अति पिछड़ों और आदिवासियों को यदि आरक्षण का अधिकार प्राप्त है तो इसके पीछे बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर का ही योगदान है। उन्होंने ही संविधान अनुच्छेद 340 के तहत इसका प्रावधान किया। कांग्रेस और भाजपा पर हमलावर मायावती ने कहा कि यह दुख की बात है कि केंद्र में सबसे ज्यादा समय तक राज करने वाली कांग्रेस ने मंडल कमीशन की सिफारिशों को ठंडे बस्ते में डाले रखा जिसे बाद में बीएसपी ने अथक प्रयास करके वीपी सिंह सरकार से लागू करवाया।

अब दुश्मनों की खैर नहीं

'इस्राइली ब्रह्मास्त्र' से रखी जाएगी चीन पर पैनी नजर, भारत को मिला हेरॉन ड्रोन

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के कारण कुछ महीनों की देरी के बाद अब एक बार फिर भारतीय रक्षा क्षेत्र को बड़ी मजबूती प्रदान देने की कोशिश शुरू हो गई है। इसी कड़ी में इस्राइल ने लद्दाख क्षेत्र में चीनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए भारतीय सेना को उन्नत हेरॉन ड्रोन प्रदान किए हैं। इसकी जानकारी समाचार एजेंसी एएनआई ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से दी है। सूत्रों ने जानकारी देते हुए कहा कि ये सभी ड्रोन अभी काम कर रहे हैं और मौजूदा हेरॉन ड्रोन पिछले संस्करणों की तुलना में काफी बेहतर है। उनकी एंटी-जैमिंग क्षमता भी पहले की तुलना में शानदार है। इन ड्रोनों का अधिग्रहण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा रक्षा बलों को दी गई आपातकालीन वित्तीय शक्तियों के तहत किया गया है। इसके तहत वे चीन के साथ चल रहे सीमा संघर्ष के बीच अपनी युद्धक क्षमताओं को उन्नत करने के लिए 500 करोड़ रुपये के उपकरण और सिस्टम खरीद सकते हैं। इस्राइली मीडिया के मुताबिक हेरोन मार्क-2 ड्रोन दुनिया की सबसे उन्नत तकनीक से लैस है। अपने साथ ये विमान कई तरह के

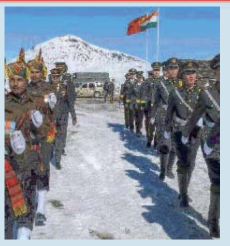

पेलोड ले जाने में सक्षम हैं। इस ड्रोन विमान में दमदारे रोटेक्स 915 आईएस इंजन लगे हैं जो इसे 10 हजार मीटर की ऊंचाई तक उड़ने में मदद करते हैं। हेरोन मार्क-2 विमान पहले बनाए गए हेरोन यूएवी का उन्नत मॉडल है। इसकी अधिकतम गति 140 नॉट्स प्रतिघंटे है। अब इसके सेंसर को वृहत आकार दिया गया है और सुधारा गया है जिससे यह बेहद खतरनाक हो गया है। भारतीय सेना अपने कैंप में बैठकर ही अपने दुश्मन के ठिकानों का पता लगा लेगी। गौरतलब है कि साल 2019 में भी बालाकोट एयर स्ट्राइक के तुरंत बाद भारतीय सेना को यह ड्रोन उपलब्ध कराई गई थीं। वहीं इसी सुविधा का इस्तेमाल करते हुए भारतीय नौसेना ने दो प्रीडेटर ड्रोन को भी लीज पर लिया है जो अमेरिकी फर्म जनरल एटॉमिक्स से लिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में जोरों पर चुनावी तैरारी

केशव मौर्य बोले: 'अयोध्या हुई हमारी, अब काशी-मथुरा की बारी'

लखनऊ। यूपी में लगातार चुनावी सरगर्मियां तेज होती जा रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। इन सबके बीच उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बड़ा ऐलान कर दिया है। एक निजी समाचार चैनल (जी न्यूज) के साथ बातचीत में केशव मौर्य ने कहा कि अयोध्या हुई हमारी, अब काशी-मथुरा की बारी है। केशव मौर्य वाराणसी में हुए विकास कार्यों को लेकर बातचीत कर रहे थे। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तारीफ करते हुए मौर्य ने कहा कि यह काफी भय बना है। केशव मौर्य ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण हो रहा है और इस वजह से प्रभु राम में आस्था रखने वाले भक्तों में खुशी की लहर है। हम लोग आंदोलन के समय नारा लगाते थे कि अयोध्या हुई हमारी, अब काशी-मथुरा की बारी है। उन्होंने कहा कि काशी और मथुरा दोनों हमारी है। काशी में कॉरिडोर बन चुका है। अब कृष्ण जन्म भूमि के बारी है। मौर्य ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और जनता के आशीर्वाद से लगातार सारे काम हो रहे हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को वाराणसी पहुंचने वाले हैं। इसी को लेकर केशव प्रसाद

ओमिक्रॉन वैरिएंट: राज्यों में मचा हड़कंप

संसद में केंद्र ने कहा: भारत में अब तक एक भी मामला नहीं

नई दिल्ली। ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर जहां दुनिया के कई देशों में लोग दहशत में हैं वहीं केंद्र सरकार ने आज राहत की खबर दी है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राज्यसभा कहा कि कोरोना का नया वायरस दुनिया के 14 देशों में पाया गया है लेकिन यहां अभी तक इसका कोई मामला मिला है। एक एडवाइजरी जारी की गई है अगर कोई संदिग्ध मामला मिलता है तो उसकी तुरंत जांच की जा रही है और जीनोम सीक्वेंसिंग भी की जा रही है। हालांकि, राज्यों में इसे लेकर डर का माहौल बना हुआ है। कई राज्यों की सरकारों ने एहतियातन कदम भी उठाने शुरू कर दिए हैं। तेलंगाना में कोविड-19 के नए स्वरूप ओमिक्रॉन से निपटने और टीकाकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के उपायों के लिए कैबिनेट की एक उप-समिति बनाई गई है। इस समिति की अध्यक्षता राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव करेंगे। ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर कर्नाटक सरकार ने भी सतर्कता दिखाई है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि हम कोविड-19 के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को देखते हुए स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। हमने वैरिएंट की पुष्टि के लिए कुछ सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे हैं। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट पर कोविड-19 स्क्रीनिंग भी बढ़ाई जाएगी। ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा कि हम वर्तमान हालात को लेकर विचार-विमर्श करेंगे और हर संभव कदम उठाएंगे। हमने केंद्र सरकार से 18 वर्ष से कम आयु के लोगों के लिए टीकाकरण शुरू करने की मांग की है। हमने उनसे बूस्टर खुराकें भी उपलब्ध कराने के लिए कहा है। लेकिन हम अभी उनके फैसले का इंतजार कर रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि ओमिक्रॉन वैरिएंट आरटी-पीसीआर और रैट परीक्षणों से पहचान में आ सकता है। भूषण ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पर्याप्त बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करने और होम आइसोलेशन की निगरानी को बढ़ाने के लिए कहा है।

टीईटी पेपर लीक मामला:

कस्टडी रिमांड के लिए कोर्ट में अर्जी दाखिल करेगी पुलिस

शामली। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी) का प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार तीनों आरोपियों को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ करेगी। इसके लिए शामली पुलिस कोर्ट में जल्द ही अर्जी दाखिल करेगी। पुलिस का मानना है कि इस गैंग में अन्य कई लोग शामिल हो सकते हैं। उधर, मौके से फरार हुए आरोपी की तलाश में एसटीएफ और पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। रविवार सुबह एसटीएफ मेरठ की टीम ने शामली क्षेत्र में मेरठ-करनाल हाईवे पर बुटराड़ी बिजली घर के निकट से यूपी टीईटी का पेपर लीक करने के आरोप में मनीष उर्फ मोनू निवासी झाल, रवि पंवार निवासी गांव नाला और धर्मेंद्र निवासी बुटराड़ी को गिरफ्तार किया था। मौके से अजय उर्फ बबलू निवासी गांव नाला फरार हो गया था। एसटीएफ ने उनके पास से टीईटी का मूल

प्रश्नपत्र, प्रश्नपत्र की फोटो कॉपी, 17 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और कार बरामद किया था। एटीएस के इंस्पेक्टर की तरफ से शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। उधर, एसटीएफ और पुलिस की टीम फरार आरोपी अजय की तलाश में दबिश दे रही है, लेकिन अभी तक वह पकड़ में नहीं आ सका है। पुलिस का मानना है कि प्रश्नपत्र लीक करने के वाले गैंग में अन्य कई लोग भी शामिल हो सकते हैं। वहीं आरोपियों से पूछताछ के लिए कोर्ट से पुलिस कस्टडी रिमांड लेने की तैयारी की जा रही है।

हरियाणा : सड़क हादसे में दंपती सहित 6 की मौत

कैथल में बारात से लौट रही कार दूसरी कार से टकराई

कैथल। हरियाणा के कैथल जिले के गांव पाई में मंगलवार सुबह दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 4 बारातियों समेत 6 की मौत हो गई। मृतकों में एक दंपती शामिल है। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों कारें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। दो की मौके पर मौत हुई, जबकि अन्य को अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। चार घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। कैथल के पुंडरी निवासी राहुल की बारात जींद की सैनी धर्मशाला में गई थी। एक कार में सवार बाराती घर लौट रहे थे। उनकी कार जब गांव पाई के पास पहुंची तो दूसरी कार से सामने टक्कर हो गई। दूसरी कार में सवार लोग कुरुक्षेत्र के दाबखेड़ी गांव से जींद के मलार गांव में जा रहे थे। ये अपनी बीमार मां से मिलकर गांव लौट रहे थे। पाई गांव के पास दोनों कारों की आमने-सामने हुई टक्कर में जींद की तरफ जा रही कार में विनोद, बाला, सोनिया और विराज सवार थे। विनोद और उसकी पत्नी बाला की मौत हो गई। जबकि विराज और सोनिया घायल हैं। दूसरी तरफ बारात से लौट रही कार के ड्राइवर बरेली निवासी सत्यम, सैनी मोहल्ला पुंडरी निवासी रमेश, नरवाना निवासी अनिल, हिसार निवासी शिवम की मौत हो गई। दो बाराती सतीश और बलराज घायल हैं। जींद के अपराही मोहल्ला में स्वर्गीय रामधारी नंबरदार के छोटे भाई नरेश नंबरदार की बेटी निशु की शादी थी। बारात पुंडरी से जींद की सफीदों गेट सैनी धर्मशाला में आई थी। बारात की एक कार पुंडरी लौटते समय कैथल के गांव पाई के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना जींद में करीब साढ़े 9 बजे पहुंची। वहां भी मातम पसर गया। निशु, जिसकी शादी थी, के पिता नरेश नंबरदार की जींद सब्जी मंडी में आढ़ती है। मंडी में इनकी 34 नंबर दुकान है। कुछ बाराती अपने-अपने वाहनों में अल सुबह 2 से 3 बजे ही निकल गए थे। डोली सुबह करीब 6 बजे गई थी। कुछ बाराती इसके साथ ही निकले थे। डोली के साथ निकलने वाले रिश्तेदार आमतौर पर काफी करीबी ही होते हैं। नरेश नंबरदार के पड़ोस में तीन दिन पहले गली में ही बलजीत नामक व्यक्ति की अचानक ही मौत हो गई थी। उनकी मौत से भी गली में मातम था। इसको देखते हुए निशु की शादी बड़े सादे ढंग की गई। पाई गांव के पास हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इससे पहले ग्रामीणों की भीड़ लग गई थी, जो बचाव कार्य में लगे थे। हादसे के बाद एक कार पेड़ से टकरा गई थी। घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त कारों का सामान बिखरा पड़ा था। शव गाड़ियों में ही फंसे थे। पुलिस ने घायलों और दो शवों को अस्पताल पहुंचाया। मरने वालों की संख्या 6 हो गई। बारात की गाड़ी और दूसरी कार की टक्कर से 4 बारातियों की मौत की सूचना पुंडरी पहुंची तो शादी वाले घर में मातम पसर गया।

पुष्कर सिंह धामी सरकार ने चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड किया भंग

देहरादून। उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने मंगलवार को बड़ा फैसला करते हुए चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड को भंग कर दिया। मुख्यमंत्री धामी ने ट्वीट कर खुद इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आप सभी की भावनाओं, तीर्थपुरोहितों, हक-हकूकधारियों के सम्मान एवं चारधाम से जुड़े सभी लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए मनोहर कांत ध्यानी जी की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने देवस्थानम बोर्ड अधिनियम वापस लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड को लेकर लगातार विभिन्न प्रकार के समाजिक संगठनों ने, तीर्थपुरोहितों ने, हक-हकूकधारियों ने और पंडा समाज के लोगों से हमने बात की है और उन सभी के सुझाव मिले हैं। इसके साथ ही मनोहर कांत ध्यानी जी की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। हमने सभी पहलुओं पर विचार करते हुए हम इस अधिनियम को वापस ले रहे हैं। आपको बता दें कि बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के तीर्थ पुरोहितों लंबे समय से देवस्थानम बोर्ड के विरोध में आंदोलन कर रहे थे। जिसको देखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने जुलाई में भाजपा नेता मनोहर कांत ध्यानी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था।

गृहमंत्री ने दिए परमबीर-वाजे में मुलाकात की जांच के निर्देश, पुलिस कमिश्नर बोले: हमें जानकारी नहीं

मुंबई। पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह और सचिन वाजे की मुलाकात पर चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, दोनों की कथित मुलाकात के बाद गृहमंत्री दिलीप वालसे ने कहा है कि किसी मामले में दो आरोपियों का मिलना गलता है, वो भी तब जब एक आरोपी न्यायिक हिरासत में हो। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच हुई मुलाकात की जांच के आदेश मुंबई पुलिस कमिश्नर को दिए गए हैं। वहीं मुंबई पुलिस कमिश्नर बिपिन कुमार सिंह ने ऐसी किसी भी मुलाकात से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें सचिन

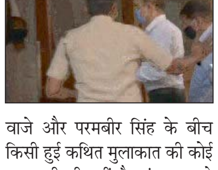

वाजे और परमबीर सिंह के बीच किसी हुई कथित मुलाकात की कोई जानकारी ही नहीं है। मंगलवार को राज्य के गृहमंत्री दिलीप वालसे ने मीडिया को दिए बयान में कहा कि परमबीर सिंह के खिलाफ अनुशासनहीनता और अनियमितताओं के चलते कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही उनके निलंबन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। दरअसल, पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के ऊपर कई आरोप लगाए थे। उन पर जबरन वसूल करने का आरोप लगाया गया था, जिसके बाद से परमबीर सिंह गायब चल रहे थे, वे हाल ही में सामने कोर्ट के सामने पेश हुए। गृहमंत्री दिलीप वालसे ने कहा कि परमबीर सिंह और सचिन वाजे के बीच हुई मुलाकात की भी जांच कराई जाएगी। इसके लिए मुंबई पुलिस कमिश्नर को निर्देश जारी किए गए हैं उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति न्यायिक हिरासत में है, उससे उसी मामले में दूसरा आरोपी कैसे मुलाकात कर सकता है।

बिहार में शराब तस्करों की खैर नहीं: अब हर 50 किलोमीटर पर होगी गश्ती दल की तैनाती, ड्रोन से की जाएगी निगरानी

पटना। बिहार में शराब तस्करों पर लगाम लगाने के लिए मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग ने कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसके तहत विभाग ने हर जिले में 50 किमी की दूरी पर एक गश्ती दल लगाया है। यह गश्ती दल सड़क से लेकर नदियों तक शराब की तस्करी पर पैनी नजर रखेगा और इसके लिए ड्रोन की मदद ली जाएगी। इसके अलावा शराब पीने वालों की धर-पकड़ तेज करने के लिए विभाग ने उपयुक्त संख्या में ब्रेथ एनालाइजर की खरीद की निविदा निकाली है। इसे हर गश्तीदल को दिया जायेगा। वहीं गुप्त सूचना देने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हे इनाम दिया जायेगा। जिलों में छापेमारी और गश्ती के लिए गाड़ी और इंधन की व्यवस्था की जा रही है। एक अन्य कदम के रूप में नीतीश कुमार की सरकार ने सरकारी कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करने के बाद अब निजी क्षेत्र पर भी शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है। इसके तहत शराबियों को नौकरी नहीं देने का कदम उठाया जा सकता है। गौरतलब है कि 26 नवंबर को बिहार के सीएम नीतीश कुमार और उनके मंत्रिमंडल ने पटना के ज्ञान भवन में मौजूद अन्य लोगों के साथ शराब का सेवन नहीं करने की शपथ ली थी। इन्होंने शपथ ली कि वे न तो शराब का सेवन करेंगे और न ही इससे जुड़ी किसी भी गतिविधि में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं की मांग पर यह कानून बनाया गया था।

विधानसभा और विधान परिषद ने सर्व-सम्मति से इसका प्रस्ताव पारित किया है। शराबबंदी पर किसी भी तरह की कोताही को बर्दाश्त नहीं करेंगे। बिहार के एक्साइज कमिश्नर बी.कार्तिकेय धनजी ने बताया कि पिछले 10 दिन में पूरे राज्य में 19,175 छापेमारी की गई जिसमें लगभग 4,000 अभियोग दर्ज किए गए और 4,670 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि इसी क्रम में लगभग 1,70,000 बल्क लीटर शराब भी बरामद की गई और 400 वाहनों को जब्त किया गया है। साथ ही कहा कि जिन जगहों पर जहरीली शराब बनती है वहां लगातार छापेमारी की जा रही है और उन सब जगहों पर ड्रोन से निगरानी रखने की कार्रवाई भी की जाएगी।

CMYK

सार समाचार

अभी तक देश में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप का कोई मामला नहीं मिला: मांडविया

नयी दिल्ली। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि अभी तक देश में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन का कोई मामला सामने नहीं आया है और सरकार इस संबंध में सभी एहतियात बरत रही है। मांडविया ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान विभिन्न पूरक सवालों का जवाब देते हुए कहा कि ओमीक्रोन स्वरूप के मामले अब तक दुनिया के 14 देशों में मिले हैं और भारत में इसका एक भी मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस संबंध में परामर्श जारी किया है और संदिग्ध मामले को तुरंत ही जांच और जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी अभी नियंत्रण में है लेकिन यह पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है और पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस संबंध में लोगों को आगाह किया है। उन्होंने कोविड महामारी पर काबू के लिए टीकाकरण को अहम बताते हुए कहा कि अब तक टीकों की 124 करोड़ से अधिक खुराकें लगायी जा चुकी हैं और हर दिन 70 से 80 लाख खुराक दी जा रही है। मांडविया ने कहा कि अब घर-घर जाकर टीकाकरण पर भी जोर दिया जा रहा है।

कमला नेहरू अग्निकांड मामले को लेकर हाइकोर्ट ने शिवराज सरकार को जारी किया नोटिस

भोपाल। राजधानी भोपाल के कमला नेहरू अस्पताल में हुए हादसे में जबलपुर हाईकोर्ट ने सूबे की शिवराज सरकार को नोटिस जारी किया है। जानकारी मिली है कि आग से बच्चों की मौत के मामले को गंभीरता से लेते हुए हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर सरकार से जल्द जवाब मांगा है। दरअसल चीफ जस्टिस रवि मलिमठ और जस्टिस विजय कुमार शुक्ला की डबल बेंच में मामले की सुनवाई होगी। कमला नेहरू अग्निकांड में दोषियों पर हत्या का केस दर्ज करने के लिए जनहित याचिका लगी हुई है। और उसी को लेकर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। आपको बता दें कि इसी नवंबर के शुरुआती सप्ताह में कमला नेहरू अस्पताल में आग लग गई थी। इस हादसे में 8 नवजातों की मौत हो गई थी। वहीं सरकार ने सिर्फ चार बच्चों की मौत आग से होने की बात स्वीकार की थी। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हादसे के बाद ही उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दे दिए थे। उन्होंने कहा था कि स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान इस हादसे की जांच करेंगे। मुख्यमंत्री ने जांच के निर्देश देते हुए दोषियों पर सख्त एक्शन करने का निर्णय लिया था।

पर्वतारोही नीतीश ने झंडा फहरा कर दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

गोरखपुर। गोरखपुर के बेटे अंतरराष्ट्रीय युवा पर्वतारोही नीतीश कुमार सिंह ने हिमाचल प्रदेश के मनाली में स्थित माउंट पितालसु 14000 फुट की ऊंचाई को 27 नवंबर 2021 को फतह कर के भारत का गौरवशाली तिरंगा फहराया। नीतीश सिंह ने अपनी चढ़ाई 24 नवंबर को शुरू किया था। इस चढ़ाई को नीतीश ने अकेले ही पूरा किया है। इस अभियान को दिल्ली की संस्था सहयोग केयर फॉर यू के साथ मिलकर पर्वतारोही नीतीश ने पूरा किया। नीतीश ने माउंट पितालसु से बाल यौन शोषण,मतदाता जागरूकता व स्वच्छ गोरखपुर का संदेश दिया है। पर्वतारोही नीतीश सिंह का मानना है कि बाल यौन शोषण एक बहुत बड़ी समस्या है जो बच्चों की शारीरिक सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य कल्याण और व्यवहार संबंधित पहलुओं को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं, बाल यौन शोषण पर और कड़े कानून बनने चाहिए जिससे बाल यौन शोषण पर रोक लग सके। पर्वतारोही नीतीश सिंह ने 14 हजार फीट की चढ़ाई कर वहां से एक वीडियो रिलीज किया और लोगों को अधिक से अधिक मतदाता बनने का आग्रह किया। देश की युवाओं में वह क्षमता है ताकत है जो देश का विकास करवाने के लिए योग्य सरकार का अपने मत का प्रयोग करके चयन कर सकते हैं।

नए कोविड दिशा-निर्देश: सभी जरूरी इंतजाम समय पर किए जाएंगे: दिल्ली हवाई अड्डा

नयी दिल्ली/मुंबई। वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के कारण चिंता बढ़ने के बीच देश के सबसे बड़े इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) ने सोमवार को कहा कि नये दिशा-निर्देशों और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी जरूरी इंतजाम समय पर किए जाएंगे। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजधानी में आईजीआईए में कोविड-19 जांच करने वाली कंपनी परीक्षण करने की क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ जल्द नतीजे प्रदान करने के लिए अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएगी। वहीं, हैदराबाद और बेंगलुरु सहित अन्य प्रमुख हवाई अड्डे भी ओमीक्रोन की चिंताओं के मद्देनजर उभरती स्थिति से निपटने के लिए प्रयासों में तेजी ला रहे हैं।
सरकार ने रविवार को एक दिसंबर से प्रभावी होने वाले संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिसमें जोखिम वाले देशों से यात्रा करने वाले या वहां से होकर आने वाले यात्रियों को भारत पहुंचने पर आरटी-पीसीआर जांच कराना अनिवार्य किया गया था।

अहंकार में थी धामी सरकार, रावत बोले- चुनावों में हार के डर से भंग किया देवस्थानम बोर्ड

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को अपनी हार स्पष्ट दिखाई दे रही थी। इसी वजह से उन्होंने देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड को भंग करने का फैसला किया है। दरअसल, धामी सरकार ने मंगलवार को अस्तित्व में आने के ठीक दो साल बाद विवादास्पद चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड को भंग कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि आप सभी की भावनाओं, तीर्थपुरोहितों, हक-हकूकधारियों के सम्मान एवं चारधाम से जुड़े सभी लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए मनोहर कांत ध्यानी जी की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने देवस्थानम बोर्ड अधिनियम वापस लेने का फैसला किया है।

हार के डर से भंग किया देवस्थानम बोर्ड

इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत का बयान सामने आया। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, कांग्रेस नेता ने कहा कि ये फैसला आने वाले चुनाव में हार से भयभीत सरकार का फैसला है। जिस दिन देवस्थानम बोर्ड का गठन किया गया था उस दिन ही कांग्रेस ने विधानसभा में और नेताओं ने बाहर इसका विरोध किया और कहा कि ये हमारी परंपरा और संस्कृति के खिलाफ़ है।

गंगा की सफाई को लेकर एनजीटी की तल्ख टिप्पणी, कहा- जवाबदेही तय करने का समय

नई दिल्ली (एजेंसी)।
राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कहा कि पिछले 36 वर्षों से निगरानी के बावजूद गंगा की सफाई चुनौती बनी हुई है और अब समय आ गया है कि नदी को स्वच्छ बनाने के लिए आवंटित धन के उचित एवं समय पर उपयोग के लिए जवाबदेही तय की जाए। अधिकरण ने कहा कि प्रदूषण कम करने के नतीजे प्राप्त करने के लिए आवंटित धन एवं इसके उपयोग के संबंध में उचित जांच की आवश्यकता है। अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल के नेतृत्व वाली पीठ ने कहा कि हालांकि, केंद्र सरकार के स्तर पर गंगा एक्शन प्लान एक और दो के जरिये और उसके बाद राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की स्थापना के माध्यम से पहल की गई है, गंगा का प्रदूषण अभी भी बना हुआ है। हरित अधिकरण ने कहा कि जवाबदेही और प्रतिकूल परिणामों के बगैर ही समय सीमा का उल्लंघन किया जाता है।

पीठ ने कहा, ''निगरानी और जवाबदेही तय करने में विफलता से केवल सार्वजनिक धन की बर्बादी, निरंतर प्रदूषण और इसके परिणामस्वरूप मौतें और बीमारियां होती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि संबंधित प्रशासन के शीर्ष स्तर को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के कामकाज में संरचनात्मक परिवर्तनों पर विचार करने की आवश्यकता है, ताकि समयसीमा बनाये रखने के लिए जवाबदेही तय की जा सके और निकट भविष्य में लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रबंधन रणनीति का पता लगाया जाए।'' एनजीटी ने कहा कि प्रदर्शन मापदंडों और समयसीमा स्पष्ट रूप से परिभाषित करने और कार्य संपादनके ऑडिट की आवश्यकता है।

पीठ ने कहा, ''विफलता के कारणों और जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें उचित रूप से जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। प्रदर्शन में विफलता के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के संबंध में एक तंत्र को निरंतर आधार पर संचालित करने की आवश्यकता है। अनुशासनात्मक और गुणवत्ता नियंत्रण के बिना मिशन की सफलता की संभावना बहुत कम हो सकती है।'' अधिकरण ने कहा कि आंतरिक समीक्षा तंत्र को मजबूत बनाने की आवश्यकता है जो वर्तमान में प्रतीत नहीं होता है। पीठ ने कहा कि यदि यह पाया जाता है कि प्रदूषण उपशमन और नियंत्रण योजना को क्रियान्वित करने के लिए एनएमसीजी द्वारा नियोजित एजेंसियां ठीक तरह से प्रदर्शन नहीं कर पा रही हैं, तो एक उपयुक्त एजेंसी - सरकारी, निजी, या हाइब्रिड को काम सौंपकर संरचनात्मक परिवर्तनों पर विचार करने की आवश्यकता है, जिन्हें शर्तों के अनुसार प्रदर्शन और लक्ष्यों को प्राप्त करने के संबंध में जवाबदेह ठहराया जा सके। अधिकरण ने कहा, ''संक्षेप में, प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। आवंटित धन और प्रदूषण कम करने के लिए निर्धारित लक्ष्य हासिल करने में हुई प्रगति और अन्य मापदंडों का विवरण देने वाली तिमाही रिपोर्ट एनएमसीजी की वेबसाइट पर डाली जा सकती है ताकि समुदाय की भागीदारी एवं समर्थन को बढ़ाया जा सके।

एडमिरल हरि कुमार ने भारतीय नौसेना के नए प्रमुख का पदभार संभाला

नई दिल्ली। एडमिरल आर. हरि कुमार ने भारतीय नौसेना के नए प्रमुख का पदभार संभाला। उन्होंने एडमिरल करमबीर सिंह का स्थान संभाला है।बता दें कि एडमिरल आर हरि कुमार पहले फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एफओसी-इन-सी) पश्चिमी नौसेना कमान थे। वह आईएनएस विक्रमादित्य की विदेशी समिति के प्रमुख थे और गोवा में नौसेना युद्ध कॉलेज के कमांडेंट के रूप में नियुक्त होने वाले पहले ध्वज अधिकारी थे।उन्होंने मुंबई में अधिकारियों और नाविकों के लिए आवास के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस बीच पूर्व भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह ने कहा कि, पिछले 30 महीने भारतीय नौसेना के प्रमुख के रूप में काम करना मेरे लिए बहुत ही गर्व की बात है। इस दौरान देश और नौसेना कोविड महामारी के चलते मुश्किल समय से गुजरी है। नौसेना ने इस कठिन समय में अपना सर्वश्रेष्ठ दिखाते हुए कार्य किया। इस अवसर पर एडमिरल आर. हरि कुमार ने कहा कि, एडमिरल करमबीर सिंह आज 41 साल तक देश सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। हम उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए आभारी हैं।

मतदान में सम्पूर्ण सहभागिता ही स्वस्थ्य लोकतंत्र का आधार - डॉ शम्भु नाथ तिवारी

बरहज, देवरिया :
मतदाताओं को उनके अधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए स्वीप के तहत मंगलवार को बाबा राघवदास भगवानदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय से मतदाता जागरुकता रैली निकाली गई। रैली को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ शम्भु नाथ तिवारी ने झंडा दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने कहा कि मतदान में सम्पूर्ण सहभागिता ही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है। प्रत्येक व्यक्ति जो अठारह वर्ष की उम्र पूरी कर चुका हो वह मतदाता सूची में अवश्य नाम दर्ज कराए तथा मतदान करने जरूर जाएं। रैली महाविद्यालय से प्रारंभ होकर श्रीकृष्ण इंटर कालेज, सरोजनी जुनियर हाईस्कूल, आश्रम गेट, रेलवे तिराहा एवं देवरिया टैक्सी स्टैंड होते हुए पुनः महाविद्यालय पहुंचा।

इस दौरान छात्र व छात्राएं मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्लोगन युक्त तख्तियां अपने हाथों में लेकर चल रहीं थीं जिस पर 'वोट हमारा अधिकार,कभी न करें इससे इंकार' तथा 'वोट डालने जाना है, अपना फ़र्ज़ निभाना हैं' आदि लिखा था। रैली में छात्र 'देश का भाग्य विधाता, बने आप मतदाता' %सबसे बड़ा दान मतदान' 'धनबल जनबल बुद्धि अपार, मतदान बिना सब बेकार' 'बूथ तक जाना है, हमने यही ठाना हैं' 'भाई बहना मानो मेरा कहना, वोट का अधिकार है हम सबका गहना' %करे राष्ट्र का जो उत्थान, करें उसी को हम मतदान' 'सुखी जीवन के रास्ते, सामाजिक सरोकार के वास्ते' 'छोड़ो अपने सारे काम, पहले चलो करें मतदान' 'घर-घर साक्षरता ले जाएंगे, मतदाता जागरूक बनाएंगे' के नारे भी लगाते रहे। रैली में प्रमुख रूप से संयोजक डॉ अमरेश त्रिपाठी, डॉ अरविन्द पाण्डेय, डॉ विनय तिवारी, क्रीड़ाधिकारी उमेश, डॉ रणधीर श्रीवास्तव, डॉ अविकल शर्मा, डॉ धनंजय तिवारी, प्रदीप शुक्ला, पंडित विनय मिश्रा, सोनाली सोनकर, सोगरा परवीन, रोशनी खातुन, खुशबू, स्मृति सिंह, अमन गुप्ता, गणेश पाण्डेय शामिल रहे।

समाजबादी पार्टी देवरिया के उपाध्यक्ष श्री अवधेश चौधरी के सुझाव पर हाथरस की बेटी की स्मृति मे मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि देते हुए पार्टी के कार्यकर्ता.रमेश चौधरी जी ग्राम प्रधान मईल राजेश चौधरी जी अमरजीत यादव मुकेश भारतीय जी सानंद पांडये जी राजन मद्देशिया प्रदीप तिवारी सभम तिवारी अशोक तिवारी उमेश तिवारी गुड्डु चौधरी जी

महंगाई हटाओ रैली की तैयारियों पर माकन का महामंथन, बोले- सोई हुई मोदी सरकार को जगाने का करेंगे काम

नई दिल्ली (एजेंसी।
राजस्थान कांग्रेस प्रभारी अजय माकन मंगलवार को प्रदेश पार्टी कार्यालय पहुंचे। जहां पर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने उनका स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर 12 दिसंबर को महंगाई हटाओ महारैली का दिल्ली में आयोजन होगा।

12 दिसंबर को होगी महारैली

समाचार एजेंसी के मुताबिक, कांग्रेस नेता अजय माकन ने बताया कि 12 दिसंबर को महंगाई हटाओ महारैली राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में आयोजित की जा रही है। इसकी तैयारी के सिलसिले में मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और सभी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने तैयारियों का जायजा लिया।

उन्होंने बताया कि राजस्थान से हम बहुत बड़ी तादाद में दिल्ली जाएंगे और महंगाई हटाओं का नारा लगाकर वहां की सोई हुई मोदी सरकार को जगाने का काम करेंगे। गौरतलब है कि देश में रिकॉर्डतोड़ महंगाई के खिलाफ कांग्रेस के आह्वान पर दिल्ली में 12 दिसंबर को प्रस्तावित ÷महंगाई हटाओ÷ महारैली को लेकर अजय माकन ने मुख्यमंत्री गहलोत और प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा की उपस्थिति में बैठक की।

आरक्षण नही तो वोट नही -मुकेश सहनी वी आई पी पाटी

उतर पदेश कि सियासत मे पिछडी समाज के राजनेताओ द्वारा आरक्षण को मुख्य मुद्दा बनाकर राजनीति कि जा रही है जिसमें ऐक ही समाज के दो नेता निषाद समाज के डा0संजय निषाद जो भा ज पा से तथा बिकाशील इंसान पाटी के मुकेश सहनी एक दूसरे के सामने काटें की टक्कर होने कि संभावना दिख रही है हालांकि संजय निषाद जी निषादों के आरक्षण को लेकर भोली जनता का विश्वास जीता उन्हे भारी जन समर्थन भी मिला लेकिन निषादों के हितों को दरकिनार करते हुए उन्होंने भाजपा से गठबंधन करते हुए अपने पुत्र को भा ज पा के टिकट पर सांसद बनाया और अपनी निषाद पाटी का तिरस्कार करते हुए विलय के साथ साथ निषादों के आरक्षण कि बलि चढाते हुये जनता का विश्वास प्रलोभन के कारण खो चुके

दूसरी तरफ मुकेश सहनि ँसन आफ मल्लाह ़ वी आइ पी पाटी द्वारा डा0संजय निषाद कि इन खामियों का खण्डन करते हुये यह नारा दिया है कि आरक्षण नहीं तो वोट नही कयो कि यह मुद्दा आरक्षण का निषादों के प्रति संजय निषाद का ही था अत: संजय अपने ही मुद्दों पर अब फसते नजर आ रहे है जबकि मुकेश

सहनि अब इस मुद्दे को मुख्य एजेंडे मे लेते हुये आरक्षण नही तो गठबंधन नही-गठबंधन नही तो वोट नहीं के नारे के साथ संजय निषाद को घेरते जा रहे हैं और जनता का विश्वासमत भी जीतने मे कामयाब दिख रहे हैं हालांकि आरक्षण के मुद्दे को लेकर दोनों कि सहमति पर गठबंधन के लिए राजी भी हो सकते हैं ्वी आइ पी पाटी के अध्यक्ष मुकेश सहनि द्वारा गोरखपुर के चंपा देवी पाक

मे बिशालकाय। जनसभा का आयोजन किया गया था जिसमें पूर्वांचल विस्तार से भारी संख्या मे जन सैलाब मुकेश सहनि को सुनने हेतु उमड पडी इस कार्यँकम मे जून2015मे कसरवल रेल ट्रेक के पास आरक्षण कि माग को लेकर प्रशासनिक गोली मे शहीद हुए एटा के होनहार छात्र अखिलेश निषाद के पिता के साथ मुकेश सहनि ने मंच पर जनता का अभिवादन करते हुये कहा कि अखिलेश निषाद कि शहादत बेकार नही जायेगी। ....निषाद आरक्षण लेकर ही रहेगें अब दो नाविको के नाव मे जनता किसके नाव मे बैठेगी ये तो आने वाला चुनाव परिणाम ही तय करेगा? लेकिन ध्यान रहे आखिर दोनों है तो नाविक ही..।।।

अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर आपस में ही क्यों भिड़ गये हैं उमर अब्दुल्ला और गुलाम नबी आजाद?

नई दिल्ली (एजेंसी)।
अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग को विपक्ष का समर्थन नहीं मिलने से नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला भड़क गये हैं और उन्होंने इस मुद्दे पर चुप्पी के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए लड़ाई लड़ने को तैयार नहीं है तो उनकी पार्टी अपने दम पर इस लड़ाई को लड़ेगी। उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 370 हटाते समय केंद्र सरकार ने जो दावे किये थे वह सब खोखले साबित हुए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान हटाने के बाद अखबारों समेत संस्थानों को कमजोर कर भाजपा पर 'लोकतंत्र की हत्या करने' का आरोप लगाया और कहा कि इसने दुनिया में सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के भारत के नारे को ÷खोखला÷ बना दिया है। हम आपको बता दें कि अब्दुल्ला चेनाब घाटी क्षेत्र की यात्रा पर हैं और उन्होंने किश्तवाड़ शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ÷(उच्चतम न्यायालय के समक्ष अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए) हमारा मामला बहुत मजबूत है... हमें विपक्षी दलों से समर्थन की उम्मीद थी लेकिन वे चुप हैं। हमारा वजूद इस अनुच्छेद से जुड़ा है।÷ इससे पहले उमर अब्दुल्ला ने पार्टी महासचिव अली मोहम्मद सागर सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं के संग हज़रत शाह फरीद-उद-दीन बगदादी और हज़रत शाह असरार-उद-दीन- वली की प्रसिद्ध दरगाहों पर ज़ियारत की और जम्मू कश्मीर में स्थायी शांति व समृद्धि की दुआ मांगी।

गुलाम नबी आजाद ने क्या कहा?

उधर, कश्मीर में जल्द चुनावों की आहट देखते ही कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद भी सक्रिय हो गये हैं। वह लगातार सभाएं कर रहे हैं और उनका कहना है कि जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाये और इस दर्जे में यह बात भी शामिल हो कि कोई बाहरी यहां की नौकरियां हासिल नहीं कर सके और कोई बाहरी यहां की जमीन नहीं खरीद सके। यही नहीं, उमर अब्दुल्ला द्वारा अनुच्छेद 370 पर आजाद की टिप्पणी पर निराशा व्यक्त करने के कुछ घंटे बाद आजाद ने कहा कि केंद्र सरकार के पांच अगस्त, 2019 के फैसले पर उनका %एकजुट, एकल रुख% बरकरार है और वह यह है कि इस फैसले के कारण जम्मू-कश्मीर की जनता में व्यापक असंतोष है। आजाद ने कहा कि कश्मीर घाटी में उनके भाषण को मीडिया के कुछ वर्गों ने गलत तरीके से पेश किया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और अगले साल विधानसभा चुनाव जल्दी कराने की अपनी मांग दोहरायी।

कश्मीर में कला उत्सव

दूसरी ओर, कश्मीर में कोरोना के सामान्य होते हालात के बीच तीन दिवसीय संभाग स्तरीय कला उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय कलाकारों ने भाग लिया। यह कला उत्सव राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के तहत शिक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित कराया जाता है। मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य देश में माध्यमिक स्तर पर स्कूली छात्रों की कलात्मक प्रतिभा को निखारना और उन्हें बढ़ावा देना है। इस कला उत्सव में कश्मीर संभाग के सरकारी और निजी स्कूलों की भागीदारी रही। उत्सव के दौरान 9 विभिन्न श्रेणियों में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और पुरस्कार जीते। प्रभासाक्षी संवाददाता ने श्रीनगर में इस कला उत्सव का जायजा लिया और आयोजकों तथा प्रतिभागियों से बातचीत की।

सार समाचार

कोविड-19 के नये स्वरूप से वैश्विक खतरा बहुत अधिक है: डब्ल्यूएचओ

ब्रसेल्स। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि प्रारंभिक साक्ष्य के आधार पर कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से वैश्विक खतरा ''बेहद अधिक'' है, और इससे ''गंभीर परिणाम'' हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने सदस्य देशों को एक तकनीकी ज्ञापन में कहा कि नए संस्करण के बारे में ''काफी अनिश्चितता'' बनी हुई है। कोविड-19 का नया स्वरूप पहली बार दक्षिणी अफ्रीका में पाया गया था। संगठन ने कहा कि दुनियाभर में इसके और फैलने की आशंका अधिक है।

जोहानिसबर्ग से आए दो यात्री ओमीक्रोन से संक्रमित, पृथकवास में भेजा गया

सिंगापुर। सिंगापुर ने जोहानिसबर्ग से आए सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) के विमान में यात्रा करने वाले एक यात्री को पृथकवास में भेज दिया है, जो सिडनी पहुंचने पर कोविड-19 के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' से संक्रमित पाए गए दो यात्रियों के संपर्क में आया था। इस यात्री की पहचान उनके करीबी सम्पर्क के तौर पर की गई है। स्थानीय मीडिया की खबर के अनुसार, यह यात्री अन्य छह लोगों के साथ एसआईए के एसक्यू481 विमान से उतरा था, जो 27 नवंबर को जोहानिसबर्ग से रवाना हुआ था और उसी दिन सिंगापुर के चांगी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार रात बताया कि सिंगापुर आए ये छह यात्री निर्धारित केन्द्र में पृथक रह रहे हैं और उनकी कोविड-19 संबंधी जांच भी की जाएगी। एसआईए के प्रवक्ता ने 'चैनल न्यूज एशिया' को बताया कि विमान के पायलट और चालक दल के सदस्यों को भी पृथकवास में भेजा गया और उनकी भी जांच की जाएगी। उसने इस बात पर जोर दिया कि 28 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया जाने वाले एसक्यू 211 विमान में यात्रा करने वाले अधिकतर यात्री उड़ान के प्रस्थान करने तक चांगी हवाई अड्डे पर पारगमन क्षेत्र में ही रहे और हवाई अड्डे के अन्य क्षेत्रों में नहीं गए। समाचार पत्र 'टुडे' ने स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा, ''इन यात्रियों के सम्पर्क में आए हवाई अड्डे के कर्मियों की पहचान की जा रही है।'' इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) प्रांत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया था कि दक्षिण अफ्रीका से सिडनी पहुंचे दो यात्री कोविड-19 के नए स्वरूप स्वरूप से संक्रमित पाए गए हैं। उन दोनों का पूर्ण टीकाकरण हुआ था। अभी वे सिडनी में पृथक-वास में रह रहे हैं।

तुर्की ने इस मुस्लिम देश में बांट दी पैगंबर मोहम्मद की तस्वीर वाली किताबें, लोगों ने आग-बबूला हो किया आग के हवाले

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। तुर्की एक मुस्लिम बहुल्य देश हैं जहां करीब 98 फीसदी जनता इस्लाम को मानती है। तुर्की सऊदी से उसकी जगह छीनकर इस्लामिक दुनिया का नेतृत्व करने की भूमिका में आने की चाहत में है। लेकिन इन दिनों तुर्की की किताब ने सीरिया में एक नए फसाद को जन्म दे दिया है। दरअसल, तुर्की के शिक्षा मंत्रालय की तरफ से उत्तरी सीरिया के क्षेत्र में कुछ किताबें वितरित करवाई गईं। लेकिन इन किताबों

में पैगंबर मोहम्मद का चित्रण किए जाने की वजह से काफी बवाल मच गया। किताबों के वितरित किए जाने के बाद सीरिया के क्षेत्र में लोग पैगंबर की फोटो देख आक्रोशित हो उठे और किताबों को आग के हवाले में कर दिया। समाचार एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार इस किताब को तुर्की के शिक्षा मंत्रालय की ओर से तैयार किया गया था। इसे सीरिया के कुछ खास हिस्से में रहने वाले बच्चों के लिए तैयार की गई थी। लेकिन इसमें प्रकाशित कुछ चित्रों को वहां के लोगों ने ईशा निंदा के रूप में देखा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तुर्की बॉर्डर के पास जाराब्लस में रहने वाले लोगों ने इस किताब की सभी प्रतियों को जला दिया। कहा ये भी जा रहा है कि अगर तुर्की की तरफ से इस पाठ्यपुस्तक को वापस नहीं लिया गया तो विरोध प्रदर्शन तेज होगा। वैसे तो कुरान में पैगंबर मोहम्मद के चित्र को लेकर परोक्ष रूप से किसी किस्म की रोक या प्रतिबंध नहीं है। लेकिन मुस्लिम समाज ऐसे चित्रण को ईशा-निंदा के रूप में ही देखते हैं। पिछले साल अक्टूबर में फ्रांस में घटी थी। सेमुअल पेटी नामक एक फ्रांसीसी अध्यापक की हत्या अब्दुल्ला अजारोव ने इसलिए कर दी थी कि उसने अपनी कक्षा में पैगंबर मुहम्मद के कार्टून दिखा दिए थे।

ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे से निपटने का पुतिन ने बताया उपाय, पूरी दुनिया से की अपील

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को महामारी को रोकने में मदद करने के लिए कोरोना वायरस के खिलाफ टीकों की पारस्परिक मान्यता का आह्वान किया है। दुनिया भर में तेजी से फैलने वाले ओमिक्रॉन वेरिएंट के बारे में चिंता बढ़ रही है। वीडियो लिंक द्वारा एक रूसी निवेश मंच पर बोलते हुए, पुतिन ने कहा कि देश केवल अपने कार्यों का समन्वय करके कोरोना वायरस के खिलाफ प्रभावी रूप से लड़ाई लड़ सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने सम्मेलन में कहा, 'मेरा मतलब टीकों और टीकाकरण प्रमाणपत्रों की पारस्परिक मान्यता, ग्रह के सभी क्षेत्रों के लिए टीकों की उपलब्धता और कोरोना वायरस के खिलाफ नई दवाओं पर संयुक्त कार्यों से है।' उन्होंने कहा, 'आने वाले हफ्तों में, यह स्पष्ट हो जाएगा कि नए स्ट्रेन के परिणाम कितने

गंभीर हैं। लेकिन यह बहुत स्पष्ट है कि हमें वायरस में किसी भी बदलाव के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है।' अगस्त 2020 में रूस एक कोरोना वायरस वैक्सीन स्पुतनिक-वी बनाने वाला पहला देश था। इस वैक्सीन को दर्जनों देशों में उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया है। हालांकि, इसे अभी तक विश्व स्वास्थ्य संगठन या यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है। रूसी अधिकारियों द्वारा स्पुतनिक वी को बड़े पैमाने पर नैदानिक परीक्षणों से पहले पंजीकृत करने के बाद विशेषज्ञों ने एक फास्ट-ट्रैक प्रक्रिया पर चिंता व्यक्त की थी। लेकिन चिकित्सा पत्रिका द लैंसेट में एक लेख में इसे सुरक्षित और 90 प्रतिशत से अधिक प्रभावी घोषित किया गया था। रूस ने देश में उपयोग के लिए किसी भी विदेशी निर्मित टीके को मंजूरी नहीं दी है।

सत्ता से बेदखल नेता सू ची पर फैसला देगी म्यांमार की अदालत, होगा बड़ा फैसला

बैंकॉक। (एजेंसी)।

म्यांमार की एक अदालत अपदस्थ नेता आंग सान सू ची के मुकदमे में अपना फैसला मंगलवार को दे सकती है। सू ची पर कोरोना वायरस प्रतिबंधों का उल्लंघन करने और ऐसी सूचनाएं फैलाने का आरोप है जो सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ सकती हैं। एक फरवरी को सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने, सूची को गिरफ्तार करने और उनकी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी पार्टी को कार्यालय में दूसरा कार्यकाल शुरू करने से रोक देने के बाद से 76 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता के लिए यह पहला अदालती फैसला होगा। उन पर भ्रष्टाचार सहित कई अन्य आरोपों में भी मुकदमे चल रहे हैं, जिनमें दोषी ठहराए जाने पर उन्हें कई वर्षों तक जेल में रहना पड़ सकता है। सू ची के

खिलाफ मामलों को व्यापक रूप से उन्हें बदनाम करने और अगला चुनाव लड़ने से रोकने के लिए साजिश के रूप में देखा जाता है।

देश का संविधान किसी को भी जेल की सजा सुनाए जाने पर उच्च पद पर आसीन होने या सांसद-विधायक बनने से रोकता है। म्यांमार में गत नवंबर में हुए चुनाव में सू ची की पार्टी को एकतरफा जीत मिली थी जबकि सेना से संबद्ध दल को कई सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। तब सेना ने मतदान में धंधली का आरोप लगाया था। लेकिन स्वतंत्र चुनाव पर्यवेक्षकों को जांच में किसी बड़ी अनियमितता का पता नहीं चला। सू ची की लोकप्रियता बरकरार है और उन्हें लोग आज भी सैन्य शासन के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक मानते हैं। सत्ता पर सेना के कब्जा किए जाने का देशव्यापी विरोध हुआ और इसे सुरक्षा बलों ने निर्ममता से कुचला। ''असिस्टेन्स एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स'' के आंकड़ें बताते हैं कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में करीब 1,300 नागरिकों की जान गई।

ग्रीस में चल रही है अफगानिस्तान की संसद, इन महिला एमपी ने की है शुरुआत; तालिबान से बचकर ली है शरण

नई दिल्ली। तालिबान से बचकर निकलने वाली अफगान महिला सांसदों ने ग्रीस में निर्वासन के दौरान मानवाधिकारों की हिमायत करने के लिए एक नई महिला संसद की शुरुआत की है। करीब आधी महिला अफगान सांसद और सीनेटर मौजूदा वक्त में ग्रीस में रह रही हैं जहां वह अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकारों के लिए अभियान जारी रखेंगी। इसके साथ ही शरणार्थियों के पुनर्वास का समर्थन भी करेंगी। यह रिपोर्ट इंडिपेंडेंट ने दी है। इस प्रोजेक्ट को शुरू करने वाली पूर्व अफगान सांसद नाजीफा बेक ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया है कि हमारा काम पूरा नहीं हुआ है। हम अफगान लोगों द्वारा उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए थे। अफगान लोग और खासकर महिलाएं और लड़कियां एक गंभीर मानवीय संकट से गुजर रहे हैं। हम जहां भी होंगे उन लोगों की सेवा करना जारी रखेंगे। बता दें कि तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने से पहले अफगान संसद में 27 फीसद हिस्सा महिला सांसदों का रहा है जिसे वोलेसी जिरगा या हाउस ऑफ द पीपल के रूप में जाना जाता है। ग्रीस में स्थित करीब 28 महिला सांसद इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं, जो सभी महिला अफगान सांसदों के लिए खुली होगी।

जासूसी की दुनिया में हो रहे बदलावों पर चीन-रूस को लेकर एमआई6 प्रमुख की चेतावनी, एआई पर महारत हासिल करने की दौड़

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई 6 के प्रमुख ने जासूसी क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव की ओर इशारा करते हुए दुनिया को आगाह किया है। एमआई 6 के प्रमुख रिचर्ड मूर के अनुसार चीन और रूस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में महारत हासिल करने के अपने प्रयासों को तेज कर रहे हैं और ये आने वाले दशक में जियो-पॉलिटिक्स को पूरी तरह से बदल कर रख देगा। एमआई 6 के रूप में जानी जाने वाली गुप्त खुफिया सेवा के प्रमुख रिचर्ड मूर के भाषण के कुछ अंश ब्रिटिश सरकार द्वारा जारी किए गए। जिसके अनुसार क्वांटम इंजीनियरिंग, इंजीनियर जीव विज्ञान, और कंप्यूटर शक्ति में प्रगति और कैसे ये एक खतरा पेश कर सकता हैं जैसे विषयों पर बात रखेंगे।

2020 में एमआई6 प्रमुख बने मूर के अनुसार अगले दशक में तकनीकी प्रगति पिछली सदी में किए गए हर तकनीकी विकास को पीछे छोड़ देगी। एक समाज के रूप में, हमने अभी तक इस कठोर तथ्य और वैश्विक भू-राजनीति पर इसके संभावित प्रभाव को आंतरिक रूप से स्वीकार नहीं किया है। रूसी और चीनी खुफ़िया एजेंसियां, जिन्होंने पश्चिमी खुफ़िया एजेंसियों की तुलना में तेज़ दर पर

परिष्कृत तकनीकों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग किया है, पश्चिम के जासूसों के लिए विशेष चिंता का विषय हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्?यूट?िंग, सिंथेटिक बॉयोलॉजी पर महारत हासिल करने के लिए ये जमकर पैसा बहा रहे हैं और उनका ऐसा करने का इरादा भी है। वे (चीन और रूस) यह जानते हैं कि इन तकनीकों पर महारत हासिल करना उन्हें मदद कर सकता है।' पश्चिमी देश चिंतित है कि बीजिंग दशकों के भीतर सभी उभरती प्रौद्योगिकियों पर हावी हो जाएगा, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सिंथेटिक जीव विज्ञान और आनुवंशिकी शामिल हैं।

1991 में सोवियत संघ के विघटन के साथ ही शीतयुद्ध की समाप्ति हो गई। लेकिन पिछले चार दशकों में चीन की अर्थव्यवस्था और सेना का उदय 21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक घटनाओं में से एक माना जाता है। एमआई6, जिसे उपन्यासकारों ने जॉन ले कैर के जॉर्ज स्माइली से लेकर इयान फ्लेमिंग के जेम्स बॉन्ड तक, कुछ सबसे यादगार काल्पनिक जासूसों के नियोक्ता के रूप में चित्रित किया है, विदेशों में संचालित होता है और यूनाइटेड किंगडम और उसके हितों की रक्षा के लिए जिम्मेदार है।

ओमीक्रो का दहशत, एंजेला मर्केल 16 राज्यों के गवर्नर के साथ करेंगी बैठक

बर्लिन। (एजेंसी)।

जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल मंगलवार को देश के 16 राज्यों के गवर्नर के साथ कोविड-19 के मामलों में वृद्धि को लेकर बातचीत करेंगी। मर्केल के कार्यालय ने सोमवार को पुष्टि की कि निवर्तमान चासंलर वीडियो कॉल के जरिए महामारी पर 16 राज्यों के गवर्नर के साथ चर्चा करेंगी। लेकिन कार्यालय ने इसकी जानकारी देने से इनकार कर दिया कि क्या इस दौरान कुछ निर्णय भी लिए जाएंगे। जर्मनी की शीर्ष अदालत मंगलवार को कोविड-19 महामारी पर नियंत्रण करने के लिए इस साल की शुरुआत में लागू देशव्यापी प्रतिबंध के खिलाफ दायर की गई शिकायतों पर सुनवाई करेगी।

इस संबंध में अदालत का फैसला किसी भी नए प्रतिबंध की वैधता पर मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जर्मनी में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 29,364 नए मामले सामने आए और 73 लोगों की मौत हो गई। देश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्से में संक्रमण दर ज्यादा है और यहां के अस्पताल पहले से ही आईसीयू के मरीजों को देश के दूसरे हिस्से में भेज रहे हैं। जर्मनी में

ब्रिटेन, फ्रांस और इटली जैसे यूरोपीय देशों की तुलना में कोविड-19 से मौत का आंकड़ा कम है लेकिन देश की संघीय प्रणाली की वजह से निर्णय लेने की प्रक्रिया में समय लगता है जिसका असर राज्यों में कोविड संबंधी विभिन्न प्रतिबंधों पर पड़ता हैं।

अमेरिका के रक्षा मंत्री ने सीरिया में 2019 में हुए हवाई हमले की नए सिरे से समीक्षा के आदेश दिए

वाशिंगटन। (एजेंसी।

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने मार्च 2019 में सीरिया में हुए अमेरिकी हवाई हमले की नए सिरे से समीक्षा के आदेश दिये हैं। उस हमले में महिलाओं और बच्चों समेत दर्जनों लोग मारे गए थे। इस जांच में, हमले में मारे गए आम नागरिकों की संख्या की समीक्षा होगी और यह पता लगाया जाएगा कि क्या इससे युद्ध संबंधी कानून का उल्लंघन हुआ है। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने सोमवार को कहा कि ऑस्टिन ने समीक्षा करने के लिए अमेरिकी सैन्य बल कमान के कमांडर जनरल माइकल एक्स गैरेट को चुना है। गैरेट को यह जांच पूरी करने के लिए 90 दिन का समय मिलेगा।

किर्बी ने कहा कि इसमें यह निर्णय भी लिया जाएगा कि हमले में शामिल लोगों के खिलाफ जवाबदेही तय करने के कदम उठाए जाने हैं या नहीं। इस हमले के बारे में विस्तार से पहली रिपोर्ट 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में इस महीने की शुरुआत में प्रकाशित हुई थी। यह हमला इराक की सीमा के निकट पूर्वी सीरिया के बागुज कस्बे में हुआ था। टाइम्स की खबर में कहा गया था कि एक सैन्य न्यायिक अधिकारी ने इस हमले को तत्काल ही संभावित युद्ध अपराध बताया था और इसकी जांच की जरूरत बताई थी लेकिन सेना ने इस हमले को छिपाने और मरनेवालों की संख्या भी कम बताने के प्रयास किए।

तालिबान लड़ाकों ने सैकड़ों पुलिस अधिकारियों को मार डाला, ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट

काबुल। तालिबान लड़ाकों ने अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज होने के बाद से 100 से अधिक पूर्व पुलिस और खुफिया अधिकारियों को या तो मार डाला है या जबरन %गायब% कर दिया है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही। समूह ने आम माफी घोषित किए जाने के बावजूद अपदस्थ सरकार के सशस्त्र बलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई जारी रखने की ओर इशारा किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान ने सरकारी रोजगार रिकॉर्ड का उपयोग करते हुए पूर्व अधिकारियों और आत्मसमर्पण करने वालों को निशाना बनाया है। कुछ मामलों में, स्थानीय तालिबान कमांडरों ने लक्षित किए जाने वाले लोगों की सूची यह कहते हुए तैयार की है कि उन्होंने 'अक्षम्य' कृत्य किए हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच ने रिपोर्ट में कहा, 'हत्याओं के स्वरूप से पूरे अफगानिस्तान में आतंक उत्पन्न हो गया है, क्योंकि पूर्व सरकार से जुड़ा कोई भी व्यक्ति सुरक्षित महसूस नहीं कर सकता है।'

तालिबान 15 अगस्त को अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हुआ था जब इसके लड़ाके राजधानी काबुल में घुस गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान ने पूर्वी नांगरहार प्रांत में इस्लामिक स्टेट समूह का समर्थन करने वाले लोगों को भी निशाना बनाया है, जो आईएस के हमलों का केंद्र है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रांत की राजधानी जलालाबाद में मंगलवार को उस समय आठ घंटे तक भीषण गोलीबारी हुई जब तालिबान ने आईएस आतंकवादियों के एक संदिग्ध ठिकाने पर धावा बोल दिया।

परमाणु वार्ता शुरू होने के साथ ही ईरान ने अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने की मांग की

तेहरान (एजेंसी)।

ईरान ने अपने परमाणु करार पर वियना में फिर से वार्ता शुरू होने के एक दिन बाद मंगलवार को स्पष्ट रूप से कहा कि पहले हुई राजनयिक वार्ताओं के दौरान जिन मुद्दों पर चर्चा हुई थी, उनपर दोबारा बातचीत होनी चाहिए क्योंकि ईरान सभी अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने की मांग कर रहा है। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया कि ईरान के शीर्ष परमाणु वार्ताकार अली बाकरी और देश के असैन्य परमाणु प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने यह बात कही है। गौरतलब है कि साल 2015 में हुए ईरान के परमाणु करार के तहत ईरान को आर्थिक प्रतिबंध हटवाने के लिये यूरेनियम संवर्धन को सीमित करना था। लेकिन 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका इस समझौते से बाहर निकल गया था। तब से यह करार ठंडे बस्ते में पड़ा था। ईरान 60 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन की क्षमता हासिल कर चुका है और वह परमाणु आयुध बनाने के लिये आवश्यक 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन क्षमता हासिल करने के करीब पहुंच गया है। ईरान के सरकारी टेलीविजन पर बाकरी ने पिछले दौर की वार्ताओं को केवल मसौदा करार दिया। उन्होंने कहा, मसौदों पर भी चर्चा होनी चाहिये। लिहाजा, जब तक सभी मुद्दों पर सहमति नहीं बन जाती तब तक कोई सहमति जाहिर नहीं की जा सकती। इस प्रकार, छह दौर में हुई सभी चर्चाओं को संक्षेप में प्रस्तुत कर उनपर बातचीत होनी चाहिए। आज की बैठक में भी सभी पक्षों ने इस बात को स्वीकार किया।

करतारपुर गुरूद्वारे में पाकिस्तानी मॉडल ने कराया बिना सिर ढके फोटो शूट, मांगी माफी

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान पुलिस ने सोमवार को करतारपुर में गुरुद्वारा दरबार साहिब में परिधान के एक ब्रांड के लिए पाकिस्तान की एक मॉडल के बिना सिर ढके फोटोशूट कराने की जांच शुरू का दी है। पुलिस ने यह जांच तब शुरू की जब एक भारतीय सिख पत्रकार ने तस्वीरों की समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए आलोचना की। भारतीय सिख स्वतंत्र पत्रकार रविंदर सिंह ने ट्वीट करके उल्लेख किया कि तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड की गई हैं और उन्होंने समुदाय के प्रति अनादर को रेखांकित किया। सिंह ने अपने पोस्ट में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को भी टैग किया। उन्होंने ट्वीट किया, ''पाकिस्तान में करतारपुर साहिब में गुरुद्वारा श्री दरबार साहिब के परिसर में महिलाओं के परिधान के लिए बिना सिर ढके मॉडलिंग करके लाहौर की एक महिला ने सिखों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचायी है।''

गुरुद्वारे में अपना सिर ढकना अनिवार्य है और इसे इस पवित्र स्थान के प्रति सम्मान दिखाने का एक तरीका माना जाता है। पंजाब के मुख्यमंत्री के लिए डिजिटल मीडिया देखने वाले अजहर मशवानी ने सिंह के ट्वीट पर प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि मामला ''कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को भेज दिया गया है।'' इसके कुछ ही समय बाद पंजाब पुलिस ने ट्वीट किया कि वे इस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसने ट्वीट किया, ''संबंधित ब्रांड के प्रबंधन और मॉडल के खिलाफ जांच की जा रही है। सभी धर्मों के उपासना स्थल समान रूप से सम्मानित हैं।'' समाचारपत्र 'डॉन' की एक खबर के मुताबिक, मॉडल की तस्वीरें 'मन्नत क्लोदिंग' नाम के एक परिधान ब्रांड के इंस्टाग्राम पेज पर साझा की गईं, लेकिन आलोचना के बाद इसे हटा दिया गया।

खबर में मशवानी के हवाले से कहा गया है कि पुलिस फोटो खींचने में ब्रांड और मॉडल की भूमिका की पहले जांच करेगी और बाद में मामला दर्ज करेगी। उन्होंने कहा, ''पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि मॉडल ने खुद फोटोशूट कराया या फिर ब्रांड ने यह कराया।'' सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने ट्वीट किया, ''डिजाइनर और मॉडल को तस्वीरों के लिए सिख समुदाय से माफी मांगनी चाहिए।'' उन्होंने ट्वीट किया, ''करतारपुर साहिब एक धार्मिक प्रतीक है..।'' पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया जताते हुए 'मन्नत क्लोदिंग' ब्रांड ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में माफी मांगी और इस बात से इनकार किया कि उनके अकाउंट पर पोस्ट की गई तस्वीरें उनके द्वारा किए गए किसी भी फोटोशूट का हिस्सा थीं। पोस्ट में कहा गया, ''ये तस्वीरें हमें एक थर्ड पार्टी (ब्लॉगर) ने मुहैया कराई थीं, जिसमें हमारा परिधान पहना गया था।'' उसने कहा, ''हालांकि, हम अपनी गलती स्वीकार करते हैं कि हमें इस सामग्री को पोस्ट नहीं करना चाहिए था और हम हर उस व्यक्ति से माफी मांगते हैं जो इससे आहत हुआ है।

सुविचार — दूब की तरह छोटे बनकर रहो। जब घास-पात जल जाते हैं तब भी दूब जस की तस बनी रहती है। - गुरु नानक

संपादकीय

वापसी पर मुहर

तीन कृषि कानूनों को रद्द करने के लिए लाया गया विधेयक सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में पारित हो गया। अब राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद तीनों कृषि कानून इतिहास की विषय-वस्तु बन जाएंगे। आने वाले दशकों तक यह अध्ययन किया जाएगा कि आखिर कैसे इन कृषि कानूनों को लाया गया था और फिर किन हालात में इनको रद्द करना पड़ा था। प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद संसद के शीतलकालीन सत्र के पहले ही दिन लोकसभा में और उसके बाद राज्यसभा में तीन कृषि कानून निरसन विधेयक को पारित कर दिया गया। यह भी अपने आप में एक इतिहास ही है, जब कानूनों को वापस लेना पड़ा है, लागू तो खैर ये नहीं ही हो पाए थे। हालांकि, कई विपक्षी नेताओं का कहना है कि इन कानूनों को रद्द करते हुए संसद में पर्याप्त बहस की जा सकती थी। बहस होती, तो कानूनों के बारे में अनेक पक्ष भी सामने आते। केवल विपक्ष के नेताओं ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष के नेताओं को भी इन कानूनों की पैरोकारी का मौका मिलता। फिर एक बार तीन कानूनों के फायदे-नुकसान पर कारगर बहस होती। बहस के न होने से केवल विपक्ष ने ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष ने भी अपनी बात रखने का मौका गंवा दिया है। हालांकि, प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण और उद्बोधन से यह बात तो पहले ही साफ हो गई थी कि सरकार अब तीनों कृषि कानूनों पर नहीं अड़ेगी। अत- सत्ता पक्ष ने राजनीतिक रूप से कानूनों की बगैर बहस वापसी को ही उचित माना। यह भी गौर करने की बात है कि कृषि जैसे गंभीर और बुनियादी विषय पर संसद में अब पहले जैसी चर्चा नहीं होती है। कृषि की समग्र बेहतरी और किसान आंदोलन की अब प्रासंगिकता पर संसद में बहस की जा सकती है। एक बड़ी संख्या ऐसे नेताओं की है, जो किसान आंदोलन को अब अनुचित मानते हैं। ऐसे नेताओं को भी संसद में अपनी बात रखने का मौका मिलना चाहिए। कोई आश्चर्य नहीं, बगैर चर्चा कानूनों के निरसन पर विपक्षी नेताओं ने हंगामा भी किया है। सरकार को हंगामे का अनुमान था, इसलिए सत्र शुरू होने से पहले संसद परिसर में मीडिया से प्रधानमंत्री ने कहा, 'संसद में सवाल भी हों और संसद में शांति भी हो। हम चाहते हैं, संसद में सरकार के खिलाफ, सरकार की नीतियों के खिलाफ, जितनी आवाज प्रखर होनी चाहिए, वह हो, लेकिन संसद की गरिमा, अध्यक्ष व आसन की गरिमा... इन सबके विषय में हम वह आचरण करें, जो आने वाले दिनों में देश की युवा पीढ़ी के काम आए।' संसद की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए ही मानसून सत्र में हंगामे और अनुशासनहीनता के आरोप में राज्यसभा के 12 सांसदों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित होने वालों में कांग्रेस, टीएमसी, शिव सेना, सीपीएम के सांसद शामिल हैं। वाकई, सांसदों का आचरण सभ्य और लोकतांत्रिक होना चाहिए, तभी संसद ठीक से काम कर सकती है। पिछले सत्र में पेगासस जासूसी मामले और तीन कृषि कानूनों सहित अन्य मामलों पर हंगामे के चलते लोकसभा में मात्र 22 प्रतिशत और राज्यसभा में महज 28 प्रतिशत कामकाज हो पाया था। सांसदों को कोशिश करनी चाहिए कि चालू शीतकालीन सत्र में सही ढंग से काम हो और संसद अपनी भूमिका को आदर्श रूप में निभाए, ताकि देश में लोकतंत्र और समेकित विकास को बल मिले।

आज के कार्टून

ब्रह्मांड

रीराम शर्मा आचार्य/ एक राजा के विशाल महल में एक सुंदर वाटिका थी,जिसमें अंगूरों की एक बेल लगी थी। वहां रोज एक चिड़िया आती और मीठे अंगूर चुन-चुनकर खा जाती और अधपके और खट्टे अंगूरों को नीचे गिरा देती। माली ने चिड़िया को पकड़ने की बहुत कोशिश की पर वह हाथ नहीं आई। हताश होकर एक दिन माली ने राजा को यह बात बताई। यह सुनकर राजा भानुप्रताप को आश्चर्य हुआ। उसने चिड़िया को सबक सिखाने की ठान ली और वाटिका में छिपकर बैठ गया। जब चिड़िया अंगूर खाने आई तो राजा ने तेजी दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। फिर जब राजा चिड़िया को मारने लगा, तो चिड़िया ने विनती करते हुए कहा- हे राजन ! मुझे मत मारो। मैं आपको ज्ञान की 4 महत्त्वपूर्ण बातें बताऊंगी।' राजा ने कहा, 'समय मत बर्बाद करो मेरा और जो भी बताना है जल्दी बता।'चिड़िया बोली, 'हे राजन! सबसे पहले, तो हाथ में आए शत्रु को कभी मत छोड़ो।' राजा ने कहा, 'दूसरी बात बता।' चिड़िया ने कहा, 'असंभव बात पर भूलकर भी विश्वास मत करो और तीसरी बात यह है कि बीती बातों पर कभी पश्चाताप मत करो।' राजा ने कहा, 'अब चौथी बात भी जल्दी बता दो।' इस पर चिड़िया बोली,'चौथी बात बड़ी गूढ़ और रहस्यमयी है। मुझे जरा ढीला छोड़ दें क्योंकि मेरा दम घुट रहा है। कुछ सांस लेकर ही बता सकूंगी।' चिड़िया की बात सुन जैसे ही राजा ने अपना हाथ ढीला किया, चिड़िया उड़ कर एक डाल पर बैठ गई और बोली, 'मेरे पेट में दो हीरे हैं।' यह सुनकर राजा पश्चाताप में डूब गया। राजा की हालत देख चिड़िया बोली, 'हे राजन! ज्ञान की बात सुनने और पढ़ने से कुछ लाभ नहीं होता, उस पर अमल करने से होता है। आपने मेरी बात नहीं मानी। मैं आपकी शत्रु थी, फिर भी आपने पकड़कर मुझे छोड़ दिया। मैंने यह असंभव बात कही कि मेरे पेट में दो हीरे हैं। फिर भी आपने उस पर भरोसा कर लिया। आपके हाथ में वे काल्पनिक हीरे नहीं आए, तो आप पछताने लगे। उपदेशों को आचरण में उतारे बगैर उनका कोई मोल नहीं। कहानी कहती है कि ज्ञान तभी सार्थक है और फलदायी है, जब तक कि उस पर आचरण किया जाए। यही अधिकतर मनुष्य नहीं कर पाते।

दूसरी आकाशगंगाओं के ग्रहों पर जीवन की उम्मीद

मुकुल व्यास

हमारा ब्रह्मांड अनंत रहस्यों से भरपूर है। वैज्ञानिक एक-एक करके इन रहस्यों का अनावरण करने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ वैज्ञानिक हमारे सौरमंडल से बाहर की दुनिया की छानबीन कर रहे हैं तो कुछ दूसरी आकाशगंगाओं को टटोल रहे हैं। इस खोजबीन के नतीजे दिलचस्प और चौंकाने वाले हैं। खगोल वैज्ञानिकों ने पृथ्वी से करीब 12.8 अरब प्रकाश वर्ष दूर एक विशाल आकाशगंगा में पानी की मौजूदगी के प्रमाण खोजे हैं। यह पहला अवसर है जब ब्रह्मांड में इतनी अधिक दूरी पर पानी पाए जाने के संकेत मिले हैं। खगोल वैज्ञानिकों के एक दल को दूसरी आकाशगंगा में एक तारे के इर्दगिर्द एक ग्रह के विद्यमान होने के संकेत मिले हैं। अमेरिका में इलिनॉयस विश्वविद्यालय की खगोल वैज्ञानिक श्रीवाणी जरुगुला ने कहा कि विशाल आकाशगंगा में पानी के अलावा कार्बन डाइऑक्साइड की उपस्थिति का भी पता चला है। उन्होंने कहा कि सुदूर आकाशगंगा में इन दोनों यौगिकों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि बिग बैंग अथवा ब्रह्मांडीय विस्फोट से ब्रह्मांड के विस्तार के बाद आणविक जीवन के प्रकट होने में बहुत समय नहीं लगा। ब्रह्मांड की आयु 13.8 अरब वर्ष मानी जाती है। खगोल वैज्ञानिकों के दूसरे दल को हमारी मिल्की वे आकाशगंगा के बाहर एक तारे के इर्दगिर्द एक ग्रह के अस्तित्व का पता चला है। इस संभावित बाहरी ग्रह की खोज नासा की चंद्र एक्स-रे ऑब्जर्वेटरी ने वर्लपूल गैलेक्सी में की है। इस आकाशगंगा को मेसियर 51 भी कहा जाता है। हम अपने सौरमंडल के बाहर किसी तारे की परिक्रमा करने वाले ग्रह को बाहरी ग्रह या एक्सोप्लेनेट कहते हैं। वैज्ञानिकों द्वारा अभी तक खोजे गए सारे बाहरी ग्रह मिल्की वे आकाशगंगा में विद्यमान हैं। इनमें अधिकांश ग्रह पृथ्वी से करीब 3000 प्रकाश वर्ष के दायरे में हैं। वर्लपूल गैलेक्सी में खोजा गया नया बाहरी ग्रह पृथ्वी से करीब 2.8 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर होगा। यानी कि यह ग्रह हमारी आकाशगंगा में मिले ग्रहों से हजारों गुणा अधिक दूर है। अमेरिका में मैसाचुसेट्स स्थित हार्वर्ड-स्मिथसोनियन सेंटर फॉर एस्ट्रोफीजिक्स की खगोल वैज्ञानिक रोजेन डि स्टेफानो ने कहा कि हम एक्स-रे वेवलेंथ पर बाहरी ग्रहों को खोजने की रणनीति अपना रहे हैं। इस रणनीति से दूसरी आकाशगंगाओं में भी ग्रह खोजना मुमकिन है। डि स्टेफानो ने इस अध्ययन का नेतृत्व किया है। उनके दल ने एक्स-रे बाइनरी सिस्टम से एक्स-रे की चमक में गिरावट की तलाश की। एक्स-रे बाइनरी सिस्टम के तारे एक्स-रे में चमकते हैं। बाइनरी सिस्टम में दो तारे होते हैं। एक्स-रे उस समय उत्पन्न होती है जब इस सिस्टम के एक सामान्य तारे का पदार्थ दूसरे तारे पर गिरता है। इस सिस्टम का दूसरा तारा एक न्यूट्रॉन तारा या ब्लैक होल होता है। न्यूट्रॉन तारे और ब्लैक होल की उत्पत्ति सुपरनोवा से होती है। मरणासन्न तारे में प्रचंड विस्फोट को सुपरनोवा कहते हैं। ब्लैकहोल और न्यूट्रॉन तारे ब्रह्मांड के सबसे सघन पदार्थ हैं। न्यूट्रॉन तारा न्यूट्रॉन कणों से भरपूर होता है। इसकी उत्पत्ति उस समय होती है जब एक विशाल तारा अपना ईंधन खत्म होने के बाद खुद अपने ऊपर ढह जाता है। नए अध्ययन में शामिल शोधकर्ताओं के अनुसार एक्स-रे की चमक उत्पन्न करने वाला क्षेत्र छोटा होता है। यदि कोई ग्रह वहां से गुजरता है तो उसे आसानी से खोजा जा सकता है क्योंकि वह सारी या अधिकांश एक्स-रे को अवरुद्ध कर देगा। इस विधि से अंतरिक्ष में लंबी दूरियों पर भी बाहरी ग्रह खोजे जा सकते हैं। बहरहाल दूसरी आकाशगंगा में बाहरी ग्रह की खोज की पुष्टि के लिए शोधकर्ताओं को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ेगा। बहुत बड़ी कक्षा होने के कारण इस ग्रह को अपने बाइनरी तारे के समक्ष गुजरने में 70 वर्ष लगेंगे। इसका अर्थ यह हुआ कि इस ग्रह की पुष्टि करने में कई दशक लग जाएंगे। यह अध्ययन नेचर एस्ट्रोनॉमी पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ता अब दूसरी आकाशगंगाओं में नए संभावित ग्रहों की खोजबीन के लिए चंद्र एक्स-रे ऑब्जर्वेटरी और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के एक्सएमएम-न्यूटन उपग्रह द्वारा एकत्र आंकड़ों की छानबीन करेंगे। शोधकर्ता इस विधि से हमारी मिल्की वे आकाशगंगा में भी नए बाहरी ग्रहों की तलाश के लिए एक्स-रे स्रोतों में ग्रहों के पारगमन की खोज करेंगे। चंद्र ऑब्जर्वेटरी के पास करीब 20 आकाशगंगाओं के आंकड़े हैं। ध्यान रहे कि इस अंतरिक्ष दूरबीन को 1999 में कोलंबिया स्पेस शटल द्वारा अंतरिक्ष में स्थापित किया गया था। इस बीच, खगोल वैज्ञानिकों ने एक ऐसा ग्रह खोजा हैं जहां आसमान से लोहा बारिश की तरह गिरता है। इस बाहरी ग्रह का नाम वास्प 76बी है। यह ग्रह गर्म बृहस्पतियों की श्रेणी में आता हैं। ऐसे ग्रहों को हॉट जुपिटर' भी कहते हैं। अपने मेजबान तारों के बहुत नजदीक होने की वजह से इनका तापमान बहुत ज्यादा होता है। वास्प 76बी ग्रह आग की भट्टी की तरह है। इसकी सतह इतनी आग उगलती है कि लोहा वाष्प बन कर उड़ जाता है। यह वाष्प ग्रह के रात वाले हिस्से में ठंडी हो कर बारिश की तरह गिरने लगती है। वैज्ञानिकों के एक अंतरराष्ट्रीय दल ने इस ग्रह पर मुक्त कैल्शियम की उपस्थिति का पता लगाया है, जिससे संकेत मिलता है कि वहां वायुमंडलीय तापमान पहले लगाए गए अनुमानों से कहीं बहुत अधिक है। यह खोज हवाई में मौना किया पर्वत की चोटी के निकट तैनात जैमिनी नॉर्थ टेलीस्कोप द्वारा एकत्र आंकड़ों के आधार पर की गई। वास्प 76बी ग्रह की खोज 2016 में हुई थी। यह पृथ्वी से 640 प्रकाश वर्ष दूर है। यह विशाल ग्रह अपने मेजबान तारे के इतना ज्यादा करीब है कि इसे अपने तारे का चक्कर पूरा करने में सिर्फ 1.8 दिन लगते हैं। इसका तारा एफ श्रेणी का तारा है जो हमारे सूरज से थोड़ा सा ज्यादा गर्म है। इस अध्ययन में शामिल अमेरिका के कॉर्नवेल विश्वविद्यालय के खगोल वैज्ञानिक रे जयवर्धन और हेरॉल्ड टैनर ने कहा कि जैसे-जैसे हम विविध द्रव्यमानों और तापमानों वाले बाहरी ग्रहों का दूर-संवेदी अध्ययन करेंगे, वैसे-वैसे हम बाहरी ग्रहों की विविधता की एक संपूर्ण तस्वीर विकसित कर सकेंगे। इन विविध ग्रहों में लोहे की बारिश वाले गर्म ग्रहों से लेकर मध्यम जलवायु वाले ग्रह शामिल हैं। कुछ ग्रह बृहस्पति की तरह भारी भरकम हैं जबकि कुछ पृथ्वी से ज्यादा बड़े नहीं हैं। इस समय उपलब्ध टेलीस्कोपों और उपकरणों की मदद से हमें बाहरी ग्रहों के वायुमंडलों के बारे में बहुत कुछ जानकारी मिल चुकी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

खतरनाक साबित हो सकता है कोरोना का ओमीक्रोन वेरिएंट

- योगेश कुमार गोयल

अभी तक लाखों लोगों की जान ले चुके कोरोना वायरस के नए वेरिएंट बी.1.1.529 को लेकर दुनिया भर में दहशत है। कोरोना के इस वेरिएंट के कहर से बचने के लिए दुनिया भर की सरकारें चेतावनी दे रही हैं, वहीं इसके संभावित हमले के चलते शेयर बाजार भी धड़ाम हो रहे हैं। बी.1.1.529 वेरिएंट को टीका प्रतिरोधी तथा कोरोना का अभी तक का सबसे खतरनाक वेरिएंट बताया जा रहा है, जो इम्यूनिटी को तेजी से मात देने में कुशल है। इस वायरस के स्पाइक प्रोटीन में वायरस के अन्य स्वरूपों की तुलना में अधिक परिवर्तन पाया गया है और स्पाइक में होने वाले बदलावों के कारण ही यह वैक्सीन को भी आसानी से चकमा देने में सक्षम है। बोत्सवाना में मिला यह वेरिएंट वायरस का सबसे म्यूटेंट वर्जन है, जिसके स्पाइक प्रोटीन में 32 म्यूटेशन देखने को मिले हैं और इसी कारण इससे बहुत तेजी से संक्रमण फैलने की आशंका जताई जा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा नए वेरिएंट बी.1.1.529 को 'ओमीक्रोन' नाम दिया गया है, जो ग्रीक वर्णमाला का 15वां शब्द है। दरअसल वेरिएंट्स का नाम डब्ल्यूएचओ ग्रीक वर्णमाला के शब्दों के अनुसार ही रखता है। फिलहाल ओमीक्रोन नामक जो वेरिएंट पूरी दुनिया के लिए चिंता का सबब बन रहा है, उसके बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह हवा से भी फैल सकता है और इसीलिए चिंता का सबसे बड़ा कारण यही है कि ऐसे में सामाजिक दूरी जैसे नियम भी इस वेरिएंट से निपटने में फेल हो सकते हैं। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ. सुसान हॉपकिंस का कहना है कि कोरोना का यह वेरिएंट दुनियाभर में प्रमुख डेल्टा स्ट्रेन सहित अन्य किसी भी वेरिएंट के मुकाबले बदतर होने की क्षमता रखता है। बोत्सवाना के अलावा दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग, इजरायल, जर्मनी, ब्रिटेन सहित कई देशों में इसके अनेक मामले सामने आ चुके हैं। यही कारण है कि वायरस के इस रूप को भारत सहित लगभग सभी प्रमुख देशों द्वारा गंभीरता से लिया जा रहा है और कई देशों द्वारा दक्षिण अफ्रीका की विमान यात्रा पर प्रतिबंध लगाया गया है। बी.1.1.529 वेरिएंट को डेल्टा के मुकाबले बहुत ज्यादा खतरनाक इसलिए माना जा रहा है क्योंकि बड़ी तबाही लाने वाले डेल्टा वेरिएंट में जहां स्पाइक प्रोटीन में दो म्यूटेशन हुए थे, वहीं ओमीक्रोन में अब तक 50 से ज्यादा म्यूटेशन मिल चुके हैं, जिनमें से 32 म्यूटेशन केवल इसके स्पाइक प्रोटीन में ही हुए हैं। डेल्टा वेरिएंट जितना करीब 100 दिनों में फैला था, ओमीक्रोन उतना 15 दिनों में ही फैल चुका है अर्थात् यह डेल्टा के मुकाबले करीब सात गुना तेजी से फैल रहा है। यूसीएल जेनेटिक इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. फ्रेंकोइस ब्लौक्स का कहना है कि

एक ही वेरिएंट में इतने सारे म्यूटेंट का पाया जाना इस बात की ओर इशारा करता है कि यह कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के लिए एक बड़ा खतरा हो सकता है। प्रो. फ्रेंकोइस का मानना है कि संभवत: बी.1.1.529 वेरिएंट किसी ऐसे एचआईवी या एड्स रोगी से विकसित हुआ है, जिसका इलाज नहीं हुआ हो। शरीर की कोशिकाओं में प्रवेश करने के लिए कोरोना वायरस स्पाइक प्रोटीन का सहारा लेता है। अधिकांश कोविड वैक्सीन का हमला स्पाइक प्रोटीन पर ही होता है और चूंकि नए वेरिएंट के स्पाइक प्रोटीन में ही बहुत ज्यादा म्यूटेशन हुए हैं, इसीलिए संभावना व्यक्त की जा रही हैं कि यह वेरिएंट कोविड टीकों को बेअसर करने में सक्षम हो सकता है। इन धारणाओं को इसलिए भी बल मिलता है क्योंकि नए वेरिएंट से संक्रमित कुछ ऐसे मरीज मिले हैं, जिनमें से कुछ ने वैक्सीन की पूरी डोज ले ली थी और कुछ ने तो बूस्टर डोज भी ली थी। वायरस का नया वेरिएंट कोशिकाओं में प्रवेश करने और संक्रमण को फैलाने में अहम भूमिका निभा सकता है। यह स्ट्रेन रिसेप्टर रेकग्निशन तथा सेल मेम्ब्रेन फ्यूजन प्रक्रिया को शुरू करता है। इसके अलावा कोरोना का यह स्ट्रेन वैक्सीन के जरिये प्राप्त एंटीबॉडी को भी मात दे सकता है। इसीलिए कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीनेशन के बाद भी इतने सारे म्यूटेंट से बने वेरिएंट से बचना शरीर के लिए मुश्किल हो सकता है। साउथ अफ्रीका में बी.1.1.529 वेरिएंट जिस प्रकार कहर बरपा रहा है और अन्य देशों में जिस तेजी से फैल रहा है, उसी के मद्देनजर डब्ल्यूएचओ द्वारा ओमीक्रोन को 'वेरिएंट ऑफ कंर्सन' घोषित किया जा चुका है। दरअसल डब्ल्यूएचओ ने चिंता जताते हुए माना है कि तेजी से फैलने वाला यह वेरिएंट लोगों के लिए काफी खतरनाक साबित हो सकता है। हालांकि एम्स के सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन के डॉ. संजय राय कहते हैं कि यह एक नया वेरिएंट है, इसलिए अभी 'वेट एंड वॉच' की पॉलिसी अपनानी होगी लेकिन उनका यह भी कहना है कि इस बात की संभावना है कि यह आपकी मौजूदा इम्यूनिटी को बाईपास कर सकता है और यदि ऐसा ही है तो यह बेहद गंभीर मामला है। बी.1.1.529 वेरिएंट के सामने आने के बाद वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि टीकों के प्रति अधिक प्रतिरोधी वायरस के नए स्वरूपों की संख्या बढ़ सकती है और ऐसे में कोरोना के गंभीर लक्षण वाले मामलों में वृद्धि हो सकती है। ऐसे में पूरी सतर्कता के साथ कोरोना प्रोटोकॉल को देशभर में सख्ती से लागू किया जाना बेहद जरूरी है ताकि देश को दूसरी लहर जैसी भयानक परिस्थितियों का सामना न करना पड़े।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सू-दोकू नवताल -1976

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

सू-दोकू -1975 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1976

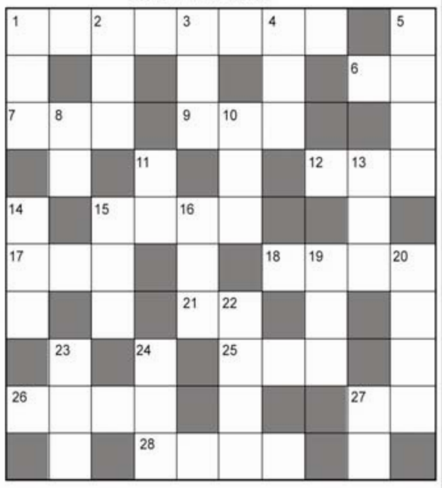

बायें से दायें:-

1. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-2,3,1,2
6. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-2
7. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-3
9. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-3
12. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-3
15. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-4
17. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-3
18. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-1,3
21. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-2
25. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-3
26. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-4
27. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-2
28. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-2,2

ऊपर से नीचे:-

1. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-3
2. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
3. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-3
4. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-3
5. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-4
8. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-2
10. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-3
11. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
13. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-3
14. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-3
15. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-3
16. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-3
19. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-3
20. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-4
22. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिश्मा की फिल्म-4
23. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-3
24. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-3
27. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली-1975

ह	म	तु	म		बं	दि	श		जं
स्ती		म	हा	रा	जा		रा	जा	जी
	दी		न		र		बी		र
दी	वा	ना		जी	न	त		क	
	र		अं	त		ला	वा	रि	स
आ		दा	दा		जो	श		श्मा	
क्रो	ध		ज	मी	र		अ		इं
श		आ		रा		ज	मा	न	त
	म	ह	ल		जीं		न		का
दो	स्त		क्ष्य		स	पू	त		म

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?

ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है:

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है:

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है:

- विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
- उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
- उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

सप्लाई चेन मैनेजर
एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
प्लांट मैनेजर
ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
परचेस मैनेजर
फैसिलिटी मैनेजर
इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

स्वास्थ्य
कॉर्पोरेट व्यवसाय
बहुराष्ट्रीय कंपनियां
हॉस्पिटैलिटी
विनिर्माण और खुदरा
वित्तीय संस्थाए
बीमा क्षेत्र
सूचना प्रौद्योगिकी
ई-कॉमर्स
वेयरहाउसिंग
निर्माण
सलाहकारी फर्में

CMYK

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन विश्व भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही वाहन और धातु के शेयरों में हुई बिकवाली से बाजार नीचे आया है। कारोबारियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय स्तर से मिले कमजोर संकेतों से घरेलू शेयर बाजार पर भी दबाव आया। इसका एक कारण कोविड-19 के नये संस्करण ओमीक्रोन के कारण बने हालात भी हैं। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 195.71 अंक करीब 0.34 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,064.87 अंक पर बंद हुआ जबकि एक समय यह 900 अंक ऊपर आया था। कारोबार के आखिरी घंटे में उसने सारी बढ़त खो दी। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 70.75 अंक तकरीबन 0.41 फीसदी की गिरावट के साथ ही दर्ज की गई और यह 17,000 के स्तर के नीचे 16,983.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में सबसे ज्यादा चार फीसदी का नुकसान टाटा स्टील के शेयरों को हुआ। वहीं कोटक बैंक, बजाज ऑटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर भी नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर पावरग्रिड, टाइटन, बजाज फिनसर्व, नेस्ले इंडिया और बजाज फाइनेंस के शेयरों को लाभ हुआ।

सोना उछला, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने में तेजी आई है जबकि चांदी की कीमतें गिरी हैं। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 41 रुपये ऊपर आकर 47,217 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 47,176 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी 667 रुपये की गिरावट के साथ ही 61,337 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 62,004 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ ही 1,794 डॉलर प्रति औंस पर था जबकि चांदी 22.94 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई थी।

रुपया गिरावट के साथ 75.17 पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया गिरावट के साथ बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनमय बाजार में मंगलवार को रुपया 10 पैसे के नुकसान के साथ 75.17 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया। कोविड संक्रमण के फिर उभरने से भी निवेशकों पर दबाव बढ़ा है, जिससे भी रुपया गिरा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.91 पर खुलने के बाद 74.86 के अपने दिन के उच्चस्तर तक पहुंचा। इसी के साथ ही उसने इसने 75.19 का निचला स्तर भी हासिल किया। अंत में रुपया 10 पैसे के नुकसान के साथ ही 75.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

मारुति सुजुकी ने ईको की कीमत में 8,000 रुपये की वृद्धि की

नयी दिल्ली, मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को कहा कि उसने यात्री एयरबैग लगाने के साथ लागत बढ़ने की वजह से अपनी ईको वैन के सभी नॉन-कार्गो संस्करणों की कीमतों में 8,000 रुपये की वृद्धि की है। कंपनी ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि कीमत में वृद्धि 30 नवंबर, 2021 से प्रभावी है। ईको के यात्री संस्करण की कीमत 4.30 लाख रुपये से शुरू होती है और 5.6 लाख रुपये तक जाती है, जबकि एम्बुलेंस संस्करण की कीमत 7.29 लाख रुपये (दिल्ली शोरूम) है। इससे पहले इस साल सितंबर में कंपनी ने सेलेरियो को छोड़कर अपनी सभी कारों की कीमतों में 1.9 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। यह इस साल उसके यात्री वाहनों की कीमतों में तीसरी वृद्धि थी।

सेबी रवि किरण रियल्टी की चार संपत्तियों की करेगा नीलामी

नयी दिल्ली, पूंजी बाजार नियामक सेबी 16 दिसंबर को रवि किरण रियल्टी इंडिया लिमिटेड और उसके प्रवर्तकों की चार संपत्तियों की नीलामी करेगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने एक नोटिस में कहा कि पश्चिम बंगाल में स्थित इन सभी संपत्तियों के लिए 16 दिसंबर को लगाई जाने वाली बोली का कुल आरक्षित मूल्य 3.22 करोड़ रुपये रखा गया है। सेबी ने इन संपत्तियों की नीलामी में हिस्सा लेने के इच्छुक लोगों को बोली लगाने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को ऑनलाइन पद्धति से संचालित किया जाएगा। रवि किरण रियल्टी इंडिया ने सार्वजनिक निर्गम से संबंधित मानकों का पालन न करते हुए निवेशकों से 1,176 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस पर सेबी ने कंपनी को मार्च, 2016 में ही निवेशकों की रकम वापस लौटाने का निर्देश दिया था। लेकिन कंपनी ने सेबी के इस आदेश का पालन नहीं किया। उसके बाद ही संपत्तियों की नीलामी कर निवेशकों का पैसा लौटाने की यह प्रक्रिया शुरू की गई है।

युवा पेशेवर कर्मचारियों पर कोरोना का सबसे ज्यादा आर्थिक असर

नई दिल्ली। युवा पेशेवर कर्मचारियों पर कोरोना महामारी का सबसे ज्यादा आर्थिक प्रभाव पड़ा है।उन्होंने अपने करियर को भविष्य में सुरक्षित करने के लिए काफी मजबूती और कुशलता का प्रदर्शन किया है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है।अध्ययन के अनुसार, 18 से 24 वर्ष के आयु समूह में 78 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि उनका पेशेवर जीवन कोरोना से प्रभावित हुआ है। अध्ययन के अनुसार, जेनरेशन जेड (18 से 24 वर्ष के लोग) ने बताया कि 55 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की तुलना में महामारी से उनपर संभवत~ दोगुना असर पड़ा। 17 नवंबर और 11 दिसंबर, 2020 के दौरान दुनियाभर के 17 देशों में 32,471 कर्मचारियों के बीच यह सर्वेक्षण किया। रिपोर्ट में मौजूदा समय को लेकर कर्मचारियों के नजरिये, उनकी अपेक्षाओं और भविष्य के कार्यस्थल को लेकर उनकी उम्मीदों पर महामारी के प्रभावों की पड़ताल की गई है।

प्रधानमंत्री फिनटेक पर इन्फिनिटी मंच का इसी सप्ताह करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वित्तीय प्रौद्योगिकी फिनटेक पर 'थॉट लीडरशिप फोरम' इन्फिनिटी मंच का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने यह जानकारी दी है। इस कार्यक्रम का आयोजन अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) द्वारा भारत सरकार के तत्वावधान में गिफ्ट सिटी और ब्लूमबर्ग के सहयोग से आगामी तीन और चार दिसंबर को किया जा रहा है। मंच इनफिनिटी फोरम के पहले संस्करण में इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन भागीदार देश हैं। यह मंच नीति, व्यापार और तकनीक में दुनिया के अग्रणी लोगों को एक साथ लाएगा। मंच में इस बात पर चर्चा होगी कि कैसे इंक्लूसिव ग्रोथ और बड़े पैमाने पर मानवता की सेवा के लिए फिनटेक उद्योग द्वारा प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाया जा सकता है। पीएमओ ने कहा कि फोरम का एजेंडा 'बियॉन्ड' के विषय पर केंद्रित होगा। मंच में 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें मुख्य वक्ताओं में मलेशिया और इंडोनेशिया के वित्त मंत्रियों के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी, सॉफ्टबैंक समूह के चेयरमैन और सीईओ मासायोशी सन, आईबीएम कॉरपोरेशन के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्ण और कोटक महिंद्रा बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ उदय कोटक शामिल हैं। पीएमओ ने बयान में कहा कि इस साल मंच में नीति आयोग, इन्वेस्ट इंडिया, फिक्की और नैसकॉम कुछ प्रमुख भागीदार हैं। आईएफएससीए का मुख्यालय गुजरात के गांधीनगर में गिफ्ट सिटी में है। इसकी स्थापना अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण अधिनियम, 2019 के तहत हुई है।

केंद्र क्रिप्टोकरेंसी पर विधेयक पेश करने के बारे में बताए: बंबई हाई कोर्ट

मुंबई (एजेंसी)।

बंबई हाई कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह क्रिप्टोकरेंसी पर विधेयक पेश करने और इस मुद्दे पर आगे की कार्रवाई के बारे में 17 जनवरी, 2022 को उसे अवगत कराए। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक की खंडपीठ ने कहा कि वह संसदीय विधायिका को कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकती। अदालत अधिवक्ता आदित्य कदम की उस जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्र सरकार को देश के भीतर क्रिप्टोकरेंसी के इस्तेमाल और कारोबार को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। कदम ने देश में क्रिप्टोकरेंसी के अनियमित कारोबार पर प्रकाश डालते हुए दावा किया है कि यह निवेशकों के अधिकारों को प्रभावित करता है, क्योंकि उनकी शिकायतों के निवारण के लिए कानून में कोई तंत्र नहीं है। केंद्र की ओर से पेश अधिवक्ता डीपी सिंह ने अदालत को बताया कि क्रिप्टोकरेंसी एवं आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विधेयक का क्रिप्टोकरेंसी विनियमन विधेयक पेश किया गया है और संसद के शीतकालीन सत्र में इस पर चर्चा की जाएगी। हालांकि, कदम ने दलील दी कि इसी तरह का बयान केंद्र सरकार ने 2018 और 2019 में भी दिया था, लेकिन उसके बाद कोई कदम नहीं उठाया गया था। पीठ ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई अब 17 जनवरी 2022 को करेगी। पीठ ने कहा कि देखते हैं कि वे (सरकार) कानून बनाते हैं या नहीं। विधेयक पेश करने के बाद याचिका में यह आरोप लगाया जाना कि सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है, गलत होगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम संसदीय विधायिका को कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकते। अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार हमें अगली तारीख पर यह अवगत कराएगी कि क्या विधेयक पेश किया गया है या नहीं और आगे क्या कार्रवाई की गई है। विधेयक में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी की जाने वाली आधिकारिक डिजिटल मुद्रा के निर्माण के लिए एक सुविधाजनक ढांचा तैयार करने का प्रस्ताव है।

ट्रैक पर आई इकोनॉमी, दूसरी तिमाही में 8.4 फीसदी पहुंची जीडीपी ग्रोथ रेट

(एजेंसी)

कोरोना के कारण लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित अर्थव्यवस्था अब पटरी पर लौट आयी है क्योंकि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8.4 प्रतिशत की गति से बढ़ा है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इसमें 7.4 प्रतिशत का संकुचन आया था। केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय(सीएसओ) द्वारा आज जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में सितंबर में समाप्त तिमाही में वर्ष 2011-12 के मूल्य पर आधारित जीडीपी 35.73 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 32.97 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 8.4 प्रतिशत अधिक है। सितंबर 2021 में समाप्त तिमाही में इसमें 7.4 प्रतिशत का संकुचन आया था। आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में पहली छमाही में जीडीपी 68.11 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 59.92 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 13.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इसमें 15.9 प्रतिशत का संकुचन आया था। कोरोना की दूसरी लहर के कारण अधिकांश संगठनों और समीक्षकों ने दूसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर के आठ फीसदी के आसपास ही रहने का अनुमान लगाया था लेकिन यह उनकी उम्मीद से बेहतर रहा है। सीएसओ के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए) 32.89 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 30.32 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। वर्तमान मूल्य पर जीडीपी वृद्धि दर 17.5 प्रतिशत रही है और वर्तमान मूल्य पर जीवीए वृद्धि दर 16.8 प्रतिशत रही है। वर्तमान मूल्य पर पहली छमाही में जीडीपी वृद्धि दर 23.9 प्रतिशत रही है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इसमें 13.4 प्रतिशत की गिरावट आयी थी।आंकड़ों के अनुसार दूसरी तिमाही में कृषि, वानिकी एवं मत्स्य पालन क्षेत्र की वृद्धि दर 4.5 प्रतिशत रही है जबकि सितंबर 2021 में समाप्त तिमाही में यह 3.0 प्रतिशत रही थी। इसी तरह से खान एवं खनन क्षेत्र में इस अवधि में 15.4 प्रतिशत की बढोतरी दर्ज की गयी है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इसमें 6.5 प्रतिशत की गिरावट रही थी। बिजली, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य यूटिलिटी सेवायें 8.9 प्रतिशत की गति से बढ़ी है जबक सितंबर 2020 की तिमाही में यह दर 2.3 प्रतिशत रही थी। निर्माण क्षेत्र में पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में जहां 7.2 प्रतिशत की गिरावट आयी थी वहीं चालू वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। ट्रेड, होटल, परिवहन , संचार और प्रसारण सेवाओं की वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही है जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में इसमें 16.1 प्रतिशत की गिरावट आयी थी। वित्त, रियलटी और पेशेवर सेवाओं की वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही है जबकि पिछले वित्त वर्ष में इस दौरान 9.1 प्रतिशत की गिरावट आयी थी। लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं 17.4 प्रतिशत की बढोतरी हुयी है जबकि पिछले वित्त वर्ष में इसमें 9.2 प्रतिशत की कमी आयी थी। सीएसओ के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए) 32.89 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 30.32 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। वर्तमान मूल्य पर जीडीपी वृद्धि दर 17.5 प्रतिशत रही है और वर्तमान मूल्य पर जीवीए वृद्धि दर 16.8 प्रतिशत रही है। वर्तमान मूल्य पर पहली छमाही में जीडीपी वृद्धि दर 23.9 प्रतिशत रही है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इसमें 13.4 प्रतिशत की गिरावट आयी थी। आंकड़ों के अनुसार दूसरी तिमाही में कृषि, वानिकी एवं मत्स्य पालन क्षेत्र की वृद्धि दर 4.5 प्रतिशत रही है जबकि सितंबर 2021 में समाप्त तिमाही में यह 3.0 प्रतिशत रही थी। इसी तरह से खान एवं खनन क्षेत्र में इस अवधि में 15.4 प्रतिशत की बढोतरी दर्ज की गयी है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इसमें 6.5 प्रतिशत की गिरावट रही थी। बिजली, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य यूटिलिटी सेवायें 8.9 प्रतिशत की गति से बढ़ी है जबक सितंबर 2020 की तिमाही में यह दर 2.3 प्रतिशत रही थी।

दुनिया के सबसे रईस एलन मस्क ने पराग अग्रवाल की प्रतिभा का माना लोहा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने भारतीय मूल के पराग अग्रवाल को अपना नया मुखिया नियुक्त (सीईओ) नियुक्त किया है। पराग ने सिलिकॉन वैली में 11 साल से भी कम समय में यह सफलता हासिल की है। इस दौरान एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से सीईओ तक का सफर तय किया है। उनकी इस उपलब्धि पर टेक कम्युनिटी ने भारतीय प्रतिभा को सलाम किया है। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने इस बहाने भारतीय प्रतिभा की तारीफ की है। विश्व की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी टेस्ला के सीईओ मस्क ने कहा कि भारतीय टैलेंट से अमेरिका को काफी फायदा हुआ है। उन्होंने स्ट्राइप कंपनी के सीईओ पैट्रिक कोलिसन के एक ट्वीट के जवाब में यह बात कही।

कोलिसन ने पराग अग्रवाल को ट्विटर का सीईओ बनने पर बधाई देते हुए लिखा, 'गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अडोबी, आईबीएम, पालो आल्टो नेटवर्क्स और अब ट्विटर के सीईओ भारत में पले-बढ़े हैं। तकनीक की दुनिया में भारतीयों की आश्चर्यजनक सफलता देखकर खुशी हो रही है। इससे पता चलता है कि अमेरिका में बाहर से आने वाले लोगों के लिए कितने मौके हैं। बधाई पराग।' इस समय दुनिया की कई बड़ी टेक कंपनियों के सीईओ भारतीय मूल के हैं। इनमें माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, अडोबी के शांतनु नारायण, आईबीएम के अरविंद कृष्णा और वीएमवेयर के रंगराजन रघुराम आदि शामिल हैं। अब इस लिस्ट में ट्विटर के पराग अग्रवाल भी शामिल हो गए हैं।ट्विटर के नए सीईओ पराग अग्रवाल ने आईआईटी बॉम्बे से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है। इसके अलावा उन्होंने स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी से कम्प्यूटर साइंस में डॉक्टरेट किया है। पराग अग्रवाल 2011 से ही ट्विटर में काम कर रहे हैं और 2017 से कंपनी के सीटीओ के पद पर नियुक्त हैं। जब वह कंपनी में शामिल हुए थे तब ट्विटर के कर्मचारियों की संख्या 1,000 से भी कम हुआ करती थी। जैक डोर्सी को ट्विटर के सीईओ पद से इसलिए इस्तीफा देना पड़ा क्योंकि वह एक वित्तीय भुगतान कंपनी स्क्वायर के भी सीईओ हैं। स्क्वायर की स्थापना उन्होंने ही की है। ऐसे में कुछ बड़े निवेशकों ने जैक डोर्सी के एक साथ दो कंपनी के सीईओ होने पर सवाल उठाए थे। सवाल किए जा रहे थे कि क्या वह प्रभावी रूप से दोनों कंपनियों का नेतृत्व कर सकते हैं? इसी के चलते उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया।

ट्राई ने 5जी स्पेक्ट्रम की कीमतों पर चर्चा के लिए परामर्श पत्र जारी किया

नयी दिल्ली (एजेंसी),

दूरसंचार नियामक ट्राई ने 5जी स्पेक्ट्रम की कीमतों और नीलामी के अन्य तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श के लिए मंगलवार को एक विस्तृत परामर्श पत्र जारी किया। इस परामर्श पत्र में कीमत, मात्रा और संबंधित शर्तें शामिल हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने एक बयान में कहा कि दूरसंचार विभाग ने उससे लागू होने वाले आरक्षित मूल्य, बैंड योजना, ब्लॉक के आकार, नीलामी के लिए स्पेक्ट्रम की मात्रा और 526-698 मेगाहट्र्ज, 700 मेगाहट्र्ज, 800 मेगाहट्र्ज, 900 मेगाहट्र्ज, 1,800 मेगाहट्र्ज, 2,100 मेगाहट्र्ज, 2,300 मेगाहट्र्ज, 2,500 मेगाहट्र्ज, 3,300-3,670 मेगाहट्र्ज और 24.25-28.5 गीगाहट्र्ज बैंड में स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए संबंधित शर्तों जैसे मुद्दों पर सिफारिशें देने को कहा है। बयान में कहा गया, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने आज अंतरराष्ट्रीय मोबाइल दूरसंचार (आईएमटी)/5जी के लिए पहचान की गयी अलग-अलग फ्रीक्वेंसी में स्पेक्ट्रम की नीलामी पर एक परामर्श पत्र जारी किया है। ट्राई ने हितधारकों से 28 दिसंबर, 2021 तक अपने परामर्श पत्र में शामिल विभिन्न मुद्दों पर टिप्पणियां मांगी हैं। टिप्पणियों के जवाब में सुझाव देने की आखिरी तारीख 11 जनवरी, 2022 तय की गयी है।

सन फार्मा की अनुषंगी ने बायोफ्रंटेरा के साथ मामले का निपटान किया, मिलेंगे 2.25 करोड़ डॉलर

नयी दिल्ली (एजेंसी),

सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज ने मंगलवार को कहा कि उसकी अनुषंगी डूसा (डीयूएसए) फार्मास्युटिकल्स इंक ने व्यापार गोपनीयता के गलत इस्तेमाल और अनुचित व्यापार व्यवहार को लेकर दायर एक मुकदमे के निपटान के लिए बायोफ्रंटेरा के साथ समझौता किया है, जिसके बाद डूसा को 2.25 करोड़ डॉलर (लगभग 170 करोड़ रुपये) मिलेंगे। गौरतलब है कि 2018 में डूसा फार्मास्युटिकल्स ने अमेरिका के मैसाच्यूसेट्स की जिला अदालत में बायोफ्रंटेरा इंक, बायोफ्रंटेरा बायोसाइंस जीएमबीएच, बायोफ्रंटेरा फार्मा जीएमबीएच और बायोफ्रंटेरा एजी (जिन्हें एक साथ बायोफ्रंटेरा के रूप में जाना जाता है) के खिलाफ ''व्यापार से संबंधित गोपनीय जानकारी के गलत इस्तेमाल, अनुबंध में भारी हस्तक्षेप और अनुचित व्यापार व्यवहार' का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। सन फार्मा ने एक नियामकीय सूचना में कहा, ''हम आपको बताना चाहते हैं कि डूसा ने मुकदमे के निपटान के लिए बायोफ्रंटेरा के साथ समझौता कर लिया है। समझौते की शर्तों के अनुसार, डूसा को बायोफ्रंटेरा से 2.25 करोड़ डॉलर मिलेंगे।''

हालांकि, घरेलू दवा कंपनी ने निपटान के विवरण का खुलासा नहीं किया।

इक्विटी सूचकांक लाल निशान में बंद; टाटा स्टील के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के साथ-साथ नए कोविड वेरिएंट ओमिक्रॉन ने मंगलवार को भारत के प्रमुख इक्विटी सूचकांकों एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 को लाल निशान में पहुंचा दिया। बाजार में सत्र की शुरूआत पॉजिटिव रूप में हुई। हालांकि ये तेजी कुछ देर तक ही रह पाई और 30-अंकों वाला सेंसेक्स अपने पिछले बंद से 195 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,064 अंक पर जाकर बंद हुआ। इसी तरह, व्यापक 50 अंकों वाला निफ्टी दिन के 16,983 अंक पर बंद हुआ, जो अपने पिछले बंद से 71 अंक या 0.4 प्रतिशत नीचे था। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, जिन शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा उनमें, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदानी पोर्ट्स और बजाज ऑटो के शेयर शामिल थे। एनएसई के मुताबिक इन कंपनियों के शेयर क्रमश~ 4.01 फीसदी, 3.10 फीसदी, 2.69 फीसदी, 2.65 फीसदी और 2.07 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। इसके विपरीत, कारोबारी सत्र के दौरान पावर ग्रिड, श्री सीमेंट, बजाज फिनसर्व, टाइटन और टाटा कंज्यूमर जैसे शेयरों को फायदा हुआ। च्वाइस ब्रोकिंग के रिसर्च एसोसिएट पलक कोठारी ने कहा, दैनिक चार्ट को देखें तो इंडेक्स अगले कारोबारी सत्र के लिए कमजोरी का संकेत देती है। इसके अलावा, गो फैशन के शेयरों ने मंगलवार को 90 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 1,316 रुपये पर एक्सचेंजों पर अपनी शुरूआत की। कंपनी का शेयर 690 रुपये प्रति शेयर पर जारी किया गया था।

CMYK

द्रविड़ ने पिच बनाने वालों को सराहा, 35 हजार रुपये इनाम दिया

कानपुर । भारतीय क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कानपुर के ग्रीन पार्क की पिच तैयार करने वालों को 35 हजार रुपये इनाम दिया है। द्रविड़ ने शिव कुमार के साथ बेहतरीन पिच तैयार करने वाले कर्मचारियों को भी 35,000 रुपये का इनाम दिया है। उत्तरप्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) ने खेल के बाद यह बात कही , 'हम एक आधिकारिक घोषणा करना चाहते हैं। द्रविड़ ने हमारे मैदानकर्मियों को व्यक्तिगत रूप से 35,000 रुपये दिए हैं।' अपने समय में द्रविड़ को निष्पक्ष खेल भावना के लिए जाना जाता था। मैदानकर्मियों को मिली प्रोत्साहन राशि इस बात का प्रतीक थी कि पिच पर मैच के पांचों दिन गेंदबाजों और बल्लेबाजों के लिए हालात बराबर थे। इस पिच पर जहां अच्छी तकनीक दिखाने वाले श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल, टॉम लैथम और विल यंग जैसे बल्लेबाजों ने रन बनाए। वहीं टिम साउदी और काइल जैमीसन जैसे तेज गेंदबाजों को विकेट मिले। पिच से भारतीय स्पिनरों को भी सहायता मिली। द्रविड़ ने पांचवें दिन के खेल के दौरान पिच से मदद नहीं मिलने के बावजूद भी दबदबा कायम करने पर स्पिन गेंदबाजों की सराहना की।

जूनियर हॉकी विश्व कप

बेल्जियम को हराने के लिए भारत का भरोसा ड्रैग फ्लिकरों पर

भुवनेश्वर (एजेंसी) ।

दो धमाकेदार जीत के बाद लय हासिल कर चुकी गत चैम्पियन भारतीय टीम एफआईएच पुरूष जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में बुधवार को यूरोपीय दिग्गज बेल्जियम के खिलाफ उतरेगी तो उसकी उम्मीदें शानदार फॉर्म में चल रहे अपने ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञों पर टिकी होंगी। खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम को पहले मैच में फ्रांस ने 5.4 से हराकर उलटफेर कर दिया था। इसके बाद हालांकि भारत ने वापसी करते हुए कनाडा को 13.1 और पोलैंड को 8.2 से हराकर पूल बी में दूसरा स्थान हासिल किया। तीसरी बार खिताब जीतने के लिए भारत को अब हर मैच में उम्दा प्रदर्शन करना होगा। बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल लखनऊ में 2016 में खेले गए फाइनल का दोहराव होगा जिसमें भारत ने 2.1 से जीत दर्ज की थी। यह मुकाबला बराबरी का होगा और मौकों को भुनाने में कामयाब रहने वाली टीम ही जीतेगी। भारत के पास उत्तम सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, सुदीप चिरमाको और मनिंदर सिंह जैसे स्ट्राइकर हैं। उत्तम और मनिंदर ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। इसके अलावा पेनल्टी कॉर्नर में अनेक विकल्प होनेका भी भारत को फायदा है। उपकप्तान संजय कुमार, हुंडल, शारदानंद तिवारी और अभिषेक लाकड़ा ने गोल किए हैं। संजय खास तौर पर शानदार फॉर्म में हैं जिन्होंने फ्रांस और कनाडा के खिलाफ हैट्रिक लगाई। हुंडल ने भी पोलैंड के खिलाफ तीन गोल किए। मिडफील्ड में कप्तान विवेक सागर प्रसाद हैं जो टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय सीनियर टीम का हिस्सा थे। डिफेंस को इस मैच में काफी मेहनत करनी होगी क्योंकि बेल्जियम का आक्रमण काफी मजबूत है। भारत के मुख्य कोच और इस टूर्नामेंट के लिए जूनियर टीम के कोच ग्राहम रीड ने कहा, 'खिलाड़ियों ने बेल्जियम का प्रदर्शन देखा है और वे आत्मविश्वास से ओतप्रोत हैं। उम्मीद है कि हम यह मैच जीतेंगे।' भारतीय कप्तान विवेक ने कहा, 'बेल्जियम बहुत अच्छी टीम है और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।' बेल्जियम ने जूनियर विश्व कप कभी नहीं जीता है और सीनियर टीम की सफलता को दोहराने का उस पर दबाव है। बेल्जियम की सीनियर टीम ओलंपिक और विश्व चैम्पियन है। दिन के अन्य क्वार्टर फाइनल में जर्मनी का सामना स्पेन से, नीदरलैंड का अर्जेंटीना से, फ्रांस का मलेशिया से मुकाबला होगा।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम कोरिया रवाना

बेंगलुरु (एजेंसी)।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम मंगलवार को कोरिया के लिए रवाना हो गई। यह टूर्नामेंट 5 से 12 दिसंबर के बीच खेला जाएगा, जिसमें भारत का मुकाबला चीन, कोरिया, जापान, थाईलैंड और मलेशिया से होगा। भारत 5 दिसंबर को थाईलैंड के साथ पहला मैच, 6 दिसंबर को मलेशिया और 8 दिसंबर को मेजबान और गत चैंपियन कोरिया के खिलाफ मैच खेलेगा। इसके अलावा, भारत 9 दिसंबर को चीन और 11 दिसंबर को जापान से खेलेगा। 12 दिसंबर को फाइनल, पूल के टॉपर और दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम के बीच होगा। भारत की महिला हॉकी कप्तान सविता ने टीम के रवाना होने से पहले उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, निश्चित रूप से पूरी टीम उत्साहित है। ओलंपिक के बाद यह हमारा पहला टूर्नामेंट है और हमारी जिम्मेदारी है कि यहां अच्छा प्रदर्शन करें। हमारे पास काफी महिला युवा खिलाड़ी हैं जो टीम का हिस्सा हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करेंगे, उनसे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

टी10 प्रारूप में दबाव से निपटने में मिलेगी मदद : ओडियन स्मिथ

अबु धाबी। डेक्कन ग्लैडिएटर्स के तेज गेंदबाज ओडियन स्मिथ ने मंगलवार को कहा कि अबू धाबी टी10 प्रारूप से पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में दबाव से निपटने में मदद मिलेगी। स्मिथ ने कहा, हम पाकिस्तान में वनडे और टी20 मैच खेलेंगे। टी10 थोड़ा अलग प्रारूप है, लेकिन पाकिस्तान बहुत अच्छी टीम है। उनके पास अभी दुनिया के कुछ बेहतरीन बल्लेबाज हैं। टी10 प्रारूप में खेलकर मुझे वास्तव में दबाव से निपटने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि हरफनमौला खिलाड़ियों के पास टी10 प्रारूप में चयन की बेहतर संभावना है और इसलिए, वह अपनी बल्लेबाजी पर भी ध्यान दे रहे हैं। ग्लैडिएटर्स ने अबू धाबी टी10 के सीजन 5 में अब तक आठ में से छह मैच जीते हैं और वे अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर मौजूद हैं।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल का ड्रॉ घोषित, सिंधू को मिला आसान ड्रॉ

बाली (एजेंसी) ।

विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने मंगलवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के ड्रॉ घोषित किए। इंडोनेशिया के बाली में बुधवार से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में अनुभवी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को आसान ड्रॉ मिला है। वह ग्रुप ए में ऑल इंडिया ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप की उप विजेता थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग, जर्मनी की इवोन ली और डेनमार्क की लिन क्रिस्टोफर्सन के साथ महिला एकल में स्पर्धा करती नजर आएंगी। सिंधु का इन तीनों खिलाड़ियों के खिलाफ और इस प्रतियोगिता में रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। वह इकलौती भारतीय हैं, जिन्होंने 2018 में पहली बार बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब जीता था। इसके बाद से अब तक कोई भी भारतीय यह खिताब जीत नहीं सका है। सिंधु के अलावा इस प्रतियोगिता में कुल सात भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी भाग लेंगे। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पुरुष युगल में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। यह पहली बार है कि प्रतियोगिता में भारत की युगल जोड़ी भाग लेगी। सात्विक-चिराग की जोड़ी का सामना दुनिया की नंबर एक जोड़ी मार्कस गिदोन और केविन सुकामुल्जो, किम एस्ट्रुप और एंडर्स रासमुसेन तथा ओलंपिक चैंपियनज जोड़ी ली यांग और वांग ची लिन से होगा। वहीं पहली बार बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल खेलने वाली अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की भारतीय महिला जोड़ी को नामी मत्सुयामा और चिहारू शिदा, गैब्रिएला और स्टेफनी स्टोएवा और क्लो बिर्च और लॉरेन स्मिथ के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन अपनी दावेदारी पेश करेंगे। सेन पुरुष एकल पूल में टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता विक्टर एक्सेलसन और रासमस गेम्के और केंटो मोमोटा के साथ मजबूत ग्रुप में हैं, जबकि श्रीकांत को ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली जी जिया, थाईलैंड के उभरते खिलाड़ी कुनलावुत विटिडसर्न और फ्रांस के तोमा जूनियर पोपोव के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। मलेशिया के ली इस खिताब को जीतने के लिए पसंदीदा खिलाड़ी माने जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो खिलाड़ी और जोड़ियां नॉकआउट सेमीफाइनल चरण में प्रवेश करेंगी। प्रतियोगिता में कुल डेढ़ लाख अमेरिकी डॉलर की राशि पुरस्कार के रूप में दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मेसी के नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज, सातवां बैलन डी ओर जीता

पेरिस। अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी ने अपने नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज किया, उन्होंने सातवीं बार बैलन डी ओर का पुरस्कार जीता है। 34 साल के मेसी ने पोलैंड के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की को पीछे छोड़ते हुए सोमवार को अपने लुइस सुआरेज के हाथों से ट्रॉफी हासिल की। अब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) स्ट्राइकर कट्टर प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो से दो जीत दूर है क्योंकि पांच बार के विजेता इस साल छठे स्थान पर रहे। पहली बार उन्हें 2010 के बाद से शीर्ष तीन में से वोट दिया गया था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पेरिस सेंट-जर्मेन ने 2009 से 2012 तक इस पुरस्कार पर अपना दबदबा कायम रखा और 2015 से 2019 में दो और जीते। पुरस्कार जीतने के बाद मेसी ने कहा, यह खिताब फिर से जीतकर अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा, दो साल पहले मैंने सोचा था कि यह आखिरी बार है। लोग मुझसे पूछने लगे थे कि मैं कब संन्यास लेने जा रहा हूं लेकिन अब मैं यहां पेरिस में हूं और बहुत खुश हूं।

एशेज टेस्ट से पहले मिशेल स्टार्क को फॉर्म में आने की जरूरत: वार्न

सिडनी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न ने मंगलवार को कहा है कि तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क 8 दिसंबर से गाबा में शुरू होने वाली एशेज सीरीज के लिए टीम में जगह बनाने के लिए अच्छी गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अब तक 61 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 255 विकेट लिए हैं। उनको लेकर 53 साल के स्पिनर ने कहा, स्टार्क इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए फॉर्म में नहीं हैं। उन्हें फॉर्म में आने की जरूरत है। वार्न ने मंगलवार को फॉक्स क्रिकेट को बताया, वह वास्तव में यूएई में टी20 विश्व कप के दौरान खराब फॉर्म में थे। वह अभी अच्छी गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। उन्हें लय में आने की जरूरत है। इसलिए, गाबा में शुरू होने वाले पहले मैच में उनकी जगह रिचर्डसन को मौका देने की जरूरत है। आईसीसी टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की खिताबी जीत में स्टार्क ने 27.55 पर नौ विकेट लिए, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में एक भी विकेट लेने में असफल रहे, उन्होंने अपने चार ओवरों में 60 रन दिए। वार्न ने यह भी कहा कि नाथन लियोन की फॉर्म भी पिछली सीरीज में खराब हो गई थी और उन्हें भी एशेज के लिए फॉर्म में आने की जरूरत है। वार्न ने कहा, पिछले साल उन्होंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था, जिसमें मिशेल स्टार्क भी शामिल थे। इसलिए, ऑस्ट्रेलिया ने संघर्ष किया था। उन्होंने आगे कहा, मुझे उम्मीद है मिशेल चयनकर्ताओं को एक विकल्प देंगे, वहीं नाथन अच्छी गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं तो उन पर भी दबाव डालने की जरूरत है।

गावस्कर ने न्यूजीलैंड की धीमी बल्लेबाजी को लेकर आलोचना की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महान सुनील गावस्कर ने कानपुर टेस्ट की दूसरी पारी में न्यूजीलैंड की धीमी बल्लेबाजी को लेकर आलोचना की है। दूसरी पारी में टॉम लैथम और विलियम सोमरविले ने अपनी टीम के लिए एक शानदार शुरुआत करने के बाद, गावस्कर ने कहा कि मेहमान जीत के लिए नहीं खेल रहे थे, बल्कि वे ड्रॉ करने में लगे रहे। भारत मैच में जीत से सिर्फ एक विकेट दूर था, लेकिन न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रवींद्र और एजाज पटेल ने 50 से अधिक गेंदें खेलकर कीवी टीम को टेस्ट ड्रॉ कराने में मदद की। गावस्कर ने टाइम्स ऑफ इंडिया में लिखा, न्यूजीलैंड कानपुर में खेले गए मैच को ड्रॉ कराने में कामयाब रहा। पांचवें दिन की शुरुआत में उनकी धीमी बल्लेबाजी ने भारत को मैच में वापस ले आई और इसके बाद भारत ने दूसरे सत्र में विकेट हासिल करना शुरू कर दिया, जिससे वह पूरी तरह से ध्वस्त हो गए, लेकिन वह जीत के लिए नहीं, बल्कि ड्रॉ के लिए खेल रहे थे।

गावस्कर का मानना है कि भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे की अगुवाई वाली टीम के आक्रामक सोच को देखकर न्यूजीलैंड पूरी तरह से मैच को बचाने में लग गया।

सख्त कोरोना प्रोटोकॉल होने के कारण एशेज का पांचवां टेस्ट होना मुश्किल!

पर्थ (एजेंसी)।

कोरोना को लेकर सख्त प्रोटोकॉल और नए कोविड वेरिएंट के कारण पर्थ में पांचवां और एशेज का अंतिम टेस्ट होना मुश्किल लग रहा है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के प्रीमियर मार्क मैकगोवन ने मंगलवार को कहा है कि नए वेरिएंट के कारण सख्त सीमा प्रतिबंध लागू रहेंगे और खिलाड़ियों को मैच खेलने के लिए 14 दिनों तक क्वारंटीन में रहना आवश्यक होगा। उन्होंने पांचवें टेस्ट में क्रिकेटरों की पत्नियों और प्रेमिकाओं के आने पर भी रोक लगा दी है। यह टेस्ट 14 जनवरी से 60 हजार की क्षमता वाले ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाना है। मैकगोवन ने एक वेबसाइट को बताया, कोरोना के नए ओमिक्रॉन वेरिएंट ने राज्य की सीमाओं को फिर से खोलने की योजना को खराब कर दिया है। मंगलवार को मैकगोवन ने खुलासा किया कि क्रिकेटरों को 14 दिनों के लिए क्वारंटीन में रहना आवश्यक है। साथ ही स्टाफ के सदस्यों और प्रसारण टीम के लिए कोई छूट नहीं होगी, क्योंकि उन्हें भी दो सप्ताह के लिए और बाद में पूरे मैच के दौरान अलग-थलग रहना होगा।

हमें एक टीम के रूप में और आत्मविश्वास से खेलना होगा : भारतीय महिला फुटबॉल कोच

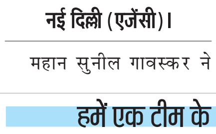

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच थॉमस डेननरबी का कहना है कि ब्राजील के मनौस में वेनेजुएला के खिलाफ अपने अगले मैच में हमें और अधिक आत्मविश्वास से खेलने की जरूरत है। वर्तमान में भारत मनौस में एक टूर्नामेंट में भाग ले रहा है, जहां वे पहले ही मेजबान ब्राजील (1-6) और चिली (0-3) से हार चुका है। गुरुवार को वेनेजुएला के खिलाफ अपने तीसरे और अंतिम मैच को लेकर डेननरबी ने सुधार करने पर ध्यान दिया। डेननरबी ने कहा, वेनेजुएला की खेलने की शैली चिली के समान है। वे मैदान पर एक अच्छा पासिंग गेम खेलते हैं। उन्होंने आगे कहा, वे अपना समय लेकर गोल करने का मौका बनाते हैं, इसलिए हमें एक टीम के रूप में और अधिक आत्मविश्वास लाने की जरूरत है। अच्छी बात यह है कि हम चिली के खिलाफ एक टीम के रूप में खेले। मुख्य कोच ने कहा, हां, मैच में हमने छोटी-छोटी गलतियां की और इसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ा, लेकिन उन्होंने दो अच्छे गोल दागकर हमसे अच्छा प्रदर्शन किया।

पहला टेस्ट : पाकिस्तान ने बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया

चटगांव (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने मंगलवार को यहां पहले टेस्ट में बांग्लादेश को आठ विकेट से हरा दिया, जिसमें आबिद अली और अब्दुल्ला शफीक के शानदार अर्धशतकों की बदौलत टीम को सीरीज में 1-0 की बढ़त मिली। हालांकि, बांग्लादेश ने पांचवें दिन के पहले सत्र में आबिद अली (91) और शफीक (73) के रूप में दो बड़े विकेट लिए, इसके बाद बाबर आजम (नाबाद 13) और अजहर अली (नाबाद 24) ने रन बनाकर पाकिस्तान को आसान जीत दिलाई। इससे पहले, पाकिस्तान ने चौथे दिन के खेल खत्म होने तक 109/0 बनाए थे, इसके बाद टीम को जीत के लिए केवल 93 की जरूरत थी और 10 विकेट हाथ में थे। वहीं, पांचवें दिन की शुरुआत करते हुए पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने कुछ ओवर खेलने के बाद अच्छी बाउंड्री लगाई। दिन के 10वें ओवर में मेहदी हसन ने शफीक को आउट कर दिया, इसकी के साथ पाकिस्तान की लंबी होती साझेदारी टूट गई। इस बीच, तैजुल ने आबिद को 91 रनों पर एलबीडब्ल्यू किया, लेकिन मेजबान टीम के लिए देर हो चुकी थी, क्योंकि अब जीत के लिए 51 रनों की ही जरूरत थी। आबिद को बल्ले से उनके योगदान के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया, उन्होंने मैच में 133 और 91 बनाए। टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले शफीक ने भी 52 और 73 रनों की शानदार पाली खेली। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 12 अंक जुटाए और तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

अब दूसरा टेस्ट चार दिसंबर से ढाका में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ने टीम इंडिया के लिए सुरक्षित बायो-बबल का किया वादा

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने बहुप्रतीक्षित सीरीज के लिए यहां पहुंचेगी तो उसके लिए पूर्ण जैव सुरक्षित माहौल (बायो-बबल) तैयार किया जाएगा। मंत्रालय ने साथ ही कोविड-19 का नया प्रारूप मिलने के बावजूद 'ए' टीम के दौरे से नहीं हटने के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सराहना भी की। भारत ए मंगलवार से ब्लोमफोंटेन में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरा अनौपचारिक टेस्ट खेलेगा। नया ओमीक्रोन प्रारूप मिलने के कारण वैश्विक चिंताओं के बावजूद भारतीय बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जारी रखने का फैसला किया है। भारतीय सीनियर टीम भी 17 दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका में तीन टेस्ट खेलेगी जिसके बाद इतने की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले भी होंगे। विराट कोहली और उनकी टीम 9 दिसंबर को यहां पहुंचेगी लेकिन देश में कोविड का ओमीक्रोन प्रारूप मिलने के बाद दौरे को लेकर कुछ चिंताएं हैं। इस नए प्रारूप के सामने आने के बाद कई देशों ने यात्रा पाबंदियां लगाई हैं। अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग विभाग (डर्को) जो देश का विदेश मंत्रालय है, ने कहा, 'भारतीय टीम के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका सभी जरूरी एहतियाती कदम उठाएगा। दक्षिण अफ्रीका और भारत 'ए' टीम के अलावा दोनों राष्ट्रीय टीम के लिए पूर्ण रूप से जैव सुरक्षित माहौल तैयार किया जाएगा।'

अंडरवर्ल्ड के नाम पर वापी के बिल्डर को सूरत में धमकी

सूरत ।

राज्य में बिल्डरों को धमकीभरे कॉल के मामले बढ़ रहे है, तब सूरत में अंडरवर्ल्ड के नाम पर वापी के बिल्डर को सूरत में धमकी दी गई है। डोन सूरत पुजारी के नाम पर अमेरिका के नंबर से धमकीभरा फोन किया था । जिसकी वजह से किर्तीकुमार कुटरमल जैन ने अपने भागीदारों के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी । इस घटना में भागीदारों और एक प्रॉजेक्ट में गलत हस्ताक्षर नहीं करेगा इसकी अर्जी देने के लिए पुलिस स्टेशन में जा रहे थे । फिलहाल यह घटना को लेकर सलाबतपुरा पुलिस ने शिकायत दर्ज करके जांच शुरू कर दी है । इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार वापी जीआईडीसी में श्रद्धा कॉ.ओ. हाउसींग सोसाइटी में रहते किर्तीकुमार कुटरमल जैन (५०) व्यवसाय से बिल्डर है। वर्ष २०१५ में वेलेन्सिया प्रॉजेक्ट में भागीदार के तौर पर वह शामिल हुआ था । हालांकि अन्य भागीदारों ने धोखाधड़ी करते ५.११.१८ को उन्होंने भागीदारों कुमारेश किशोरभाई अगरबत्तीवाला, किशोर अमृतलाल अगरबत्तीवाला, देवयानी प्रकाशचंद्र अगरबत्तीवाला, मुकेश

पुनमचंद्र रूपावाला, चेतन प्रवीणचंद्र रूपावाला और अमर अरविंद रावल के विरूद्ध उमरा पुलिस में अपराध दर्ज किया था । इसके बाद उन्होंने भागीदारों के विरूद्ध मुंबई में भी दो पुलिस केस दर्ज कराया था । इस दौरान ७.१०.२१ को रोड किर्तीकुमार सूरत नानपुरा में बहुमंजिला भवन में सबरजिस्ट्रार ऑफिस में वेलेन्सिया प्रॉजेक्ट में भागीदार कुमारेश अगरबत्तीवाला अपनी सही से दस्तावेज करके नहीं ले इसके लिए आपत्ति अर्जी देने के लिए निकले थे । दोपहर में २ बजे उधना दरवाजा, कोटक महिन्द्रा बैंक के पास वह जा रहे थे तब मोबाइल पर अज्ञात नंबर पर से कॉल आया था ।

कॉल करने वाले अपनी पहचान सुरेश पुजारी के तौर पर बताकर जैन को बताया कि, वेलेन्सिया प्रॉजेक्ट में तेरे को कुछ नहीं मिलेगा, अगर तु कोई मगजमारी करेगा तो तेरे को ठोक दूंगा, मेरे आदमी तेरे पीछे है, कुमारेश ओर प्रकाश अगरबत्ती जहां पे बोलता है वहां साइन कर दे और चुपचाप निकल जा ।

महिला के पेट से तरबूज जैसी गांठ निकाली गई

दाहोद ।

सामान्य रूप से शरीर में गांठ का नाम पड़े तब हमारे मन में सुपारी जैसी छाप पैदा होती है लेकिन दाहोद में एक महिला के पेट से सुपारी नहीं, नारंगी जैसी नहीं लेकिन तरबूज जैसी गांठ थी । जिसका दाहोद की निजी अस्पताल में सफल ऑपरेशन करके बाहर निकाली गई थी । यह दो वर्ष से गांठ की वजह से असहनीय दर्द भुगत रही महिला को दर्द से मुक्ति मिल गई थी ।

मिली जानकारी के अनुसार दाहोद जिले में स्थित गरबाडा तहसील के श्रमिक मुकेश पलास की पत्नी बेबीबहन को करीब डेढ़ वर्ष पहले पेट में दर्द की तकलीफ होने पर दर्द के लिए दवाई ली थी । लेकिन राहत नहीं मिलने पर सर्जन का संपर्क करने पर डॉक्टर ने पेट में गांठ होने का बताकर ऑपरेशन की सलाह दी थी । लेकिन ऑपरेशन के लिए पैसे की सुविधा नहीं होने पर सिर्फ दवाई पर निर्भर रहे थे ।

अलग-अलग अस्पतालों से उपचार लिया लेकिन पेट में रही गांठ धीरे-धीरे बढ़ती गई और साथ में ही बेबीबहन की दर्द में भी वृद्धि हो गई थी । आखिर में पांच दिन पहले दाहोद की इरा मल्टी स्पेशियालिटी अस्पताल के सर्जन डॉ. विशाल का संपर्क करने पर जरूरी जांच के बाद दो गांठ मालूम हुई थीं और इसमें से एक गांठ ११ किलो के अलावा वजन की और दूसरी छोटी साइज की दिखाई देने पर डॉक्टर ने ऑपरेशन की सलाह दी बेबीबहन को भर्ती किया गया था ।

गत दिन डॉ. विशाल और उनकी टीम ने सफल ऑपरेशन करके १३ किलो वजन की दो गांठ बाहर निकाली गई थी डॉक्टर का कहना है कि बड़ी गांठ अंडाशय की है जबकि छोटी गांठ कैंसर हो सकता है इसकी परीक्षण बाद निश्चित हो सके ऑपरेशन के बाद बेबीबहन सहित परिजनों में खुशी देखने को मिल रही है ।

3 वर्षीय पुत्र की हत्या के बाद माता ने की खुदकुशी

सूरत । शहर के रांदेर रोड पर दिल दहलानेवाली खबर सामने आई है। पति के अफेर व मानसिक प्रताडना से तंग आकर एक महिला ने अपने 3 वर्षीय पुत्र का गला दबाकर हत्या कर दी। पुत्र की हत्या के बाद खुद ने भी फांसी लगाकर अपनी जा दे दी। पुलिस ने महिला के पास से मिली स्युसाइड के नोट के आधार पर जांच शुरु की है।

सूरत शहर के रांदेर रोड पर अपने मायके में रह रहनेवाली एक माता ने अपने 3 वर्षीय पुत्र की गला दबाकर हत्या कर दी। पुत्र की बाद स्युसाइड नोट लिखकर खुद ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला के पास बरामद स्युसाइड में लिखा है कि महिला अपने पति के अफेर से मानसिक रूप से त्रस्त थी। साथ ही महिलाने पति को उसकी सास द्वारा सपोर्ट किए जाने का भी आरोप लगाया है। स्युसाइड नोट के मुताबिक महिला ने लिखा है कि काश,. सतीष आप मेरी बात समझ पाते, मुझे और अपने बेटे रिशु को आपकी बहोत जरूरत है। तुम और भावना कभी नहीं सुधरेंगे। मेरा घर बरबाद करना था तो आपकी माता ने आपनी शादी मुजसे क्यों करवाई। तुम्हारा भावना के साथ अफेर होने की बात मुझे पता चला तभी मैं आत्महत्या करनेवाली थी। परंतु अपने माता-पिता के कारण नहीं कर पाई । मैं आपकी मा से बहुत नफरत कर रही हूं। आपकी मा ने मेरा घर तोड दिया। मेरा बच्चा मर गया, मैंने गला दबाकर मार डाला, मैं बच्चे की हत्या से पहले बहोत रोई थी। मेरे हाथ कांप रहे थे। सोरी बच्चा, सोरी, रिशु तुजे इसतरह से मारने के लिए। मृतक महिला के पिता ने पुलिस को बताया कि मेरी 31 वर्षीय पुत्री सुबह नहीं उठने पर उसकी माता उसे उठाने गई तो वहां दोनो मृत हालत में पड़े थे। महिला के पिता ने आगे बताया कि अपने दामाद के शारीरिक व मानसिक प्रताडना से तंग आकर मेरी पुत्री ने आत्महत्या कर ली। मेरी बेटी शादी के बाद गर्भीवती होकर मायके आई थी। उसके पति ने उसकी गोदभराइ भी नहीं होने दी थी। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी साढे तीन साल से मायके में रह रही थी। शादी के पहले महिने से सास व दामाद मेरी बेटी को तंग कर रहे थे। मेरी बेटी ने गोदभराई की रस्म के बगैर ही मायके आ गई थी। काफी दुःख झेलकर उसके बेटे को जन्म दिया। पुत्र के जन्म के बाद भी एक बार भी मेरे बेटी ससुराल से कोई उसे देखने नहीं आया। मृतक महिला के पिता ने कहा कि मेरी बेटी ने होम साइंस में ग्रेजुएशन किया है। उसके बाद होटल मैनेजमेंट का भी कोर्स किया था। मैं इतना चाहता हूं कि मेरी बेटी को आत्महत्या करने के लिए मजबूर करनेवाले उसके पति व सास को कडी से कड़ी सजा मिले। मृतक महिला के पिता ने कहा कि उसके दामाद ने बच्चे को प्ले ग्रुप में रखने के लिए पैसे नहीं होने की बात कही थी। पति के प्रेम और बेटे जिम्मेदारी से भाग रहे पति से मेरी बेटी काफी दुःखी थी। मेरी बेटी हंमेशा अपने पति के साथ रहने की बात कर रही थी। रात-दिन पति के प्रेम से दूर रहनेवाले मेरी बेटी ने आखिरकार अंतिम कदम उठा लिया।

मॉल में स्पा की आड़ में एक सेक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ

पुलिस सेक्स रैकेट में काम करती थाईलैंड से आई चार युवतियों के खिलाफ डिपोर्ट की कार्रवाई करेगी

सूरत ।

शहर में एक लोकप्रिय मॉल में स्पा की आड़ में एक सेक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। सूरत पुलिस मिर्सिंग सेल की छापेमारी होने से सेक्स रैकेट में भगदड़ का माहौल पैदा हो गया । यह सेक्स रैकेट में विदेशी युवतियां सहित संचालक और शॉप मालिक की गिरफ्तारी की गई है । पुलिस ने सेक्स रैकेट में काम करती थाईलैंड से आई चार युवतियों के खिलाफ डिपोर्ट की कार्रवाई करेगी । सूरत पीपलोद में स्थित एक लोकप्रिय मॉल में स्पा की आड़ में चलते सेक्स रैकेट का पुलिस ने पर्दाफाश किया था । जहां से ४ थाईलैंड की और १ इंडियन कॉल गर्ल मुक्त कराई गई थी । पुलिस ने स्पा संचालक, मैनेजर और दो ग्राहकों की गिरफ्तारी की गई है और ४६ हजार का मालसामान जब्त किया गया था। पुलिस को यहां टूरिस्ट वीजा पर स्पा में थेरापिस्ट के तौर पर काम करती कॉल गर्ल ग्राहकों को मसाज की आड़ में मजा कराती थी । कॉल गर्ल के साथ रंगरेलिया मनाते ग्राहकों को रंगेहाथ पुलिस के पकड़ लिया । मिली जानकारी के अनुसार एंटी ह्युमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम पीआई जीए पटेल के मार्गदर्शन के तहत पेट्रोलिंग में थी तब जमादार घनश्यामसिंह सिसोदिया को जानकारी मिली थी कि पीपलोद के एक मॉल की दूसरी मंजिल पर स्पर्श स्पा में मसाज की आड़ में वेश्यावृत्ति का धंधा चल रहा है । इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने यहां नकली ग्राहक भेजकर सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया था । पुलिस को स्पा से ५ कोन्डोम भी मिले । पुलिस ने स्पा संचालक प्रज्ञेश कंथारीया, मैनेजर और दो ग्राहक की गिरफ्तारी की थी । इसके साथ कॉल गर्ल उपलब्ध कराकर दलाल की भूमिका निभाने वाले विजय पाटिल और जून नाम की विदेशी पाटिल और जून नाम की विदेशी युवती को वांटेड घोषित किया गया था। पुलिस ने नकद रकम और मोबाइल मिलाकर ४६ हजार का मालसामान जब्त कर लिया है।

एसपी ऑफिस परिसर में पिता ने चार संतानों के साथ जहर पीया

पाटण ।

उत्तर गुजरात में स्थित पाटण में एक सनसनी घटना हुई थी । यहां एसपी ऑफिस परिसर में पिता ने चार संतानों के साथ जहर पी लिया । जिसकी वजह से पूरे परिसर में सनसनी मच गई । माना जा रहा है कि आत्महत्या का प्रयास करने वाला व्यक्ति की पत्नी वर्ष पहले अन्य युवक के साथ भाग गई थी । जिसकी वजह से सनसनी कदम उठाये होने की जानकारी सामने आई है । जहरीली दवाई पीने की वजह से चार संतान सहित पिता की तबियत बिगड़ने पर धारपुर सिविल अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया । इसके साथ ही उच्च पुलिस अधिकारी अस्पताल में पहुंच गये । इस घटना मामले में बात करे तो पाटण जिले के हारीज तहसील के खाखल गांव के निवासी रेवाभाई छनाभाई परमार की पत्नी आशाबहन और इसकी सात वर्ष की बेटी एक वर्ष पहले कमलेश गोसाई नाम के शख्स के साथ भाग गई थी । इस मामले में १३ अक्टूबर २०२१ को रेवाभाई द्वारा हारीज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई थी । पुलिस शिकायत करने पर भी उनकी पत्नी की कोई जानकारी नहीं मिलने पर गत सोमवार को वह अपनी तीन बेटी और एक बेटे के साथ पाटण पेशकश करने के लिए आये थे । पाटण एसपी परिसर में पेशकश के लिए आये रेवाभाई ने किसी वजह से खुद चारों संतानों के साथ जहरीली दवाई पी लेने से भगदड़ मच गई थी । फिलहाल पांचों को धारपुर सिविल अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया । पीड़ितों में पिता सहित उनकी १७ वर्षीय, १५ वर्षीय और १२ वर्षीय बेटी तथा १६ वर्षीय बेटा शामिल है । इस मामले में डीवायएसपी आपपी. झाला के बताये कि पीड़ित पिता ने हारीज पुलिस स्टेशन में शिकायत की थी । जिसमें उसने बताया कि कमलेशगीरी नाम का युवक मेरी पत्नी और सात वर्ष के बेटे को भगाकर ले गया है । पुलिस को जांच के दौरान सामने आया है कि पीड़ित की पत्नी का नाम आशा बहन नहीं लेकिन रमीला बहन राजपूत है और वह राजस्थान की पाली की निवासी है ।

विधायक चार बेडरूम के आलीशान फ्लैट में रहेंगे

पूर्णेश मोदी के साथ सदस्य निवास समिति ने विधायकों के लिए बनने वाले नये क्वार्टर की स्थल मुलाकात की थी

गांधीनगर ।

गांधीनगर में विधायकों के लिए नये फ्लैट बनाने की सरकार योजना बनाई है । गांधीनगर के सेक्टर १७ में नये एमएलए क्वार्टर बनाये जाएंगे ऐसी जानकारी मार्ग और मकान मंत्री पूर्णेश मोदी ने दी थी।

जिसके तहत ९ मंजिल के १२ टावर बनाये जाएगे । करीब १४० करोड़ रुपये के खर्च से विधायकों के लिए यह नये क्वार्टर बनाये जाएगे जिसमें प्रत्येक विधायक को चार बेडरूम का एक आलीशान फ्लैट आवंटित कराया जाएगा । एमएलए सदस्य निवास समिति ने मंगलवार को तैयार हो रहे यह क्वार्टरों की स्थल मुलाकात की थी। इस मामले में बात करते हुए मंत्री पूर्णेश मोदी ने बताया है कि, आगामी बजट सत्र के दौरान यह नये एमएलए क्वार्टर का भूमिपूजन किया जाएगा । १४० करोड़ के खर्च से आधुनिक सुविधा वाला यह नये क्वार्टर तैयार किए जाएगे ।

कुल २८ हजार वर्ग मीटर में यह नए एमएलए क्वार्टर तैयार किया जाएगा । एक क्वार्टर २१० चौ.मी. बिल्डअप एरिया में तैयार किया जाएगा । इस फ्लैट में चार बेडरूम सहित ९ रूम बनाने का आयोजन है । जिसमें रीडिंग रुम, होल, किचन, ड्राइविंग रुम, ड्राइवर रुम सहित की अन्य सुविधा भी होगी। नए तैयार हो रहे एमएलए क्वार्टर में आकर्षक एमिनिटिज भी खड़ी की जाएगी । जिसमें दो लेंड स्केप गार्ड, प्ले एरिया, एक ऑडिटोरियम, हेल्थ क्लब, केंटीन सहित की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी इसके अलावा प्रत्येक बिल्डिंग में दो लिफ्ट की सुविधा होगी । इसके अलावा एंट्री -एक्जिट के लिए चार गेट होंगे । उल्लेखनीय है कि सदस्य निवास समिति ने क्वार्टरों का बिल्टअप एरिया बनाने की मांग की थी, जिसे मार्ग और मकान विभाग के मंत्री पूर्णेश मोदी ने मंजूरी दी है ।

पत्नी के प्रेमी ने गुस्से में आकर पति को मौत के घाट उतार दिया

पंचमहाल ।

हालोल में जीआईडीसी निकट रींकी चौकड़ी के पास पति-पत्नी और वो के मामले में खूनी खेल खेला गया था । पत्नी के प्रेमी ने सार्वजनिक मार्ग पर ही पत्नी के सामने इसके पति को चाकू से वार करके मौत के घाट उतार दिया । प्रेमी ने पति पर किए हमले में बीच में आई पत्नी को भी हाथ में चोटें आईं थी । हालोल पुलिस ने हत्यारा को गिरफ्तार करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है । उल्लेखनीय है कि यह मामले में हाल में पति की मौत हो गई है। महिला का प्रेमी पुलिस हिरासत में है। एक साथ दो प्रेम का लाभ लेने का पत्नी का सपना टूट गया है और वह अकेली हो गई है । समाज में जब जब प्रेम सीमा को पार करता है तब इसका दुखद अंत होने की कई घटनाएं अक्सर सामने आती रहती है । जिसमें पति -पत्नी के बीच जबकि वो की एंट्री होती है तब तब पारिवारिक जिंदगी छिन्नभिन्न होने के साथ किसी एक को अकेले नाराजगी या ईर्ष्या का शिकार बनकर अचानक मौत का शिकार बनना पड़ता है या तो जेल में और आखिर प्रेम के ड्रामा का पूर्णविराम आ जाता है प्रेम के पागलपन में आखिर अकेलापन जिंदगी जीने की स्थिति पैदा हो जाती है । ऐसा ही एक मामला हालोल में हुई है । हालोल जीआईडीसी क्षेत्र में स्थित नारायणनगर में रहते विजय को तीन वर्ष पहले युवती

जनकबहन के साथ प्रेम हो जाने पर दोनों ने मंदिर में जाकर दोनों ने एक दूसरे के साथ शादी कर ली। जिसके बाद जनकबहन की मां और विजय एक साथ रहते थे । विजय की पत्नी जनकबहन होटल में स्लीपर के तौर पर काम करती थी इसी होटल में उत्तर प्रदेश का अजित पासवान भी साफ सफाई का काम करता था । इस दौरान दोनों को प्रेम हो जाने पर प्रेम संबंध बन गया था । यह मामले की जानकारी विजय को मिल गई थी जिसकी वजह से विजय ने पत्नी को होटल से नौकरी छुडवा दी थी।

युवक ने असामाजिक तत्वों के आतंक से आत्महत्या की

द्वारका ।

देवभूमि द्वारका जिले के मुख्य केंद्र खंभालिया में ४० वर्ष के दिलीप शांतिलाल उनडकट ने असामाजिक तत्वों की धमकी से परेशान होकर आत्महत्या कर ली है।

यह युवक ने आत्महत्या करने से पहले एक विडियो बनाया है इसके साथ इसने सुसाइड नोट भी (संपूर्ण समाचार सेवा)

द्वारका, ३० नवंबर।

देवभूमि द्वारका जिले के मुख्य केंद्र खंभालिया में ४० वर्ष के दिलीप शांतिलाल उनडकट ने असामाजिक तत्वों की धमकी से परेशान होकर आत्महत्या कर ली है।

यह युवक ने आत्महत्या करने से पहले एक विडियो बनाया है इसके साथ इसने सुसाइड नोट भी लिखी है। जिसमें मृतक युवक ने आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले लोगों के नाम लिए हैं । हाल स्थानीय पुलिस ने सुसाइड नोट और विडियो जब्त कर लिया है । इसके साथ आगे की कार्रवाई करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है । खंभालिया में ४० वर्ष के दिलीप शांतिलाल उनडकट

ने विडियो बनाकर आत्महत्या की है । जिसमें युवक अपनी आपबीती बताते कहता है कि मेरा नाम दिलीप शांतिलाल उनडकट मुझे विवाद हुआ था संजय, इसका भाई नथु और किशन उर्फ बाठो । मुझे कोर्ट की १७ तारीख थी और यह लोग मेरे घर आये थे । इनके साथ आया चौथा कौन था इसकी मुझे खबर नहीं है। लेकिन ८ बजे के करीब आकर उसने मुझे कहा कि, कोर्ट में तु समाधान कर ले । नहीं तो कोर्ट में तु कुछ भी बोलेगा तो तेरा फिर से हाथ पैर तोड़ दूंगा। मेरे पास कोई पैसा नहीं है दूसरी कोई वस्तु यानी कि मैं डिप्रेशन में आ गया था । उसने विडियो के अंत में कहा है कि, उसने मुझे पर इतना अत्याचार किया है कि मैं मर जाऊं तो किसी भी तरह की जिम्मेदारी यह लोगों की होगी । यह लोग मेरे पीछे पड़ गये है और मुझे अभी ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है कि मैं कुछ कर सकूं। यह लोगों को मैं मरने के बाद योग्य सजा मिले ऐसी मुझे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)